गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

सिर्फ सच के साथ...

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

वर्ष : 03 अंक: 34 | गोरखपुर रविवार 15 फरवरी 2026 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

न्यूज

श्रमजीवी महिला छात्रावासों के निर्माण में तेजी

लखनऊ(संवाददाता)। शहरी क्षेत्रों में रोजगार की तलाश में आने वाली कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित और किफायती आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से योगी सरकार ने आठ श्रमजीवी महिला छात्रावासों के निर्माण की प्रक्रिया तेज कर दी है। कुल स्वीकृत धनराशि का 66 प्रतिशत प्रथम किस्त के रूप में जारी किया जा चुका है। इससे निर्माण कार्य को गति मिली है। भारत सरकार की एसएएससीआई योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में परियोजना संचालित की जा रही है, जिसके लिए 382 करोड़ रुपए बका प्रावधान किया गया है।

बेंगलुरु से लखनऊ आ रही फ्लाइट में क्रूमेंबर-पैसेंजर में लड़ाई

लखनऊ(संवाददाता)। लखनऊ आ रही फ्लाइट में क्रू मेंबर और पैसेंजर के बीच लड़ाई हो गई। सीआईएसएफ ने पैसेंजर को सरोजनी नगर थाना पुलिस को सौंप दिया। पुलिस पैसेंजर को पत्नी और 3 साल के बेटे के साथ करीब 5 घंटे थाने में बैठाए रखी। दोनों पक्षों ने मामले की पुलिस को लिखित शिकायत दी है। घटना 14 फरवरी, शनिवार को बेंगलुरु से लखनऊ आ रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट (आईएक्स 2048) में हुई। इस फ्लाइट का लखनऊ पहुंचने का निर्धारित समय सुबह 10.35 बजे है। 14 फरवरी को यह फ्लाइट आधे घंटे देरी से 11.05 बजे लखनऊ पहुंची। बेंगलुरु निवासी अंकित सहाय ने बताया मैं पत्नी शालिनी प्रिया और तीन वर्षीय बेटे के साथ बेंगलुरु से लखनऊ की यात्रा कर रहा था।

उद्योग भवन मेट्रो स्टेशन का बदला नाम, अब कहलायेगा सेवा तीर्थ

नयी दिल्ली। दिल्ली मेट्रोकी येलो लाइन पर स्थित उद्योग भवन मेट्रो स्टेशन का नाम बदलकर सेवा तीर्थ कर दिया गया है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री कार्यालय के नये परिसर का उद्घाटन किया था और इसी समारोह में उद्योग मेट्रो स्टेशन का नाम बदलकर सेवा तीर्थ करने की घोषणा की गयी थी। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि उद्योग भवन मेट्रो स्टेशन का नाम नए कॉम्प्लेक्स के अनुरूप बदलकर सेवा तीर्थ कर दिया जाएगा।

योगी ने लोगों की सुनीं समस्याएं

कहा, किसी भी प्रकरण में गलत रिपोर्ट बर्दाश्त नहीं, दोषी अधिकारियों पर दर्ज होगा केस

संवाददाता

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि किसी मामले में जांच के दौरान यदि गलत रिपोर्ट लगाई जाती है तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई जाए। उन्होंने कहा कि हर मामले की निष्पक्ष जांच करके ही उसका निस्तारण होना चाहिए। किसी भी प्रकरण में लापरवाही या शिथिलता अक्षम्य होगी। इस संबंध में जारी एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनीं और प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों को ये निर्देश दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का प्रभावी निस्तारण होगा। उन्होंने प्रशासन व

पुलिस के अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश दिए कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। जनता दर्शन में कुछ मामले ऐसे भी आए, जिनमें यह शिकायत की गई कि प्रकरण में गलत रिपोर्ट लगा दी गई है। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इसका पता लगाकर गलत रिपोर्ट लगाने वाले के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई जाए। उन्होंने कहा कि पीड़ितों की मदद में शिथिलता या लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जनता की समस्याओं के समाधान में किसी तरह की हीलाहवाली हुई तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई भी तय है। किसी पीड़ित की समस्या के समाधान में अगर कहीं भी कोई दिक्कत आ रही है तो उसका पता लगाकर निराकरण कराया जाए और किसी स्तर पर जानबूझ कर प्रकरण को लंबित रखा गया है तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने जमीन कब्जाने की शिकायतों पर विधिसम्मत कठोर कदम उठाने के निर्देश दिए। इस बार भी जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। इस पर मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों से कहा कि जल्द से जल्द अस्पताल के खर्च का ब्योरा लेकर शासन को उपलब्ध कराया जाए तथा इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त मदद की जाएगी।

कानपुर को 'बदनामपुर' बना दिया : अखिलेश

संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कानपुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (BJP) पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की नीतियों और प्रशासनिक विफलताओं ने उत्तर प्रदेश के कभी सबसे बड़े औद्योगिक केंद्र रहे कानपुर की पहचान को पूरी तरह धूमिल कर दिया है। अखिलेश यादव नेभाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल ने कानपुर को बर्बाद कर दिया और कभी फलते-फूलते औद्योगिक केंद्र को "बदनामपुर" बना दिया। यादव ने यहां

सिविल लाइंस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, भारतीय जनता पार्टी ने कानपुर को "बदनामपुर" बना दिया है। शहर का नाम आज कार पलटने, पुलिस-वकील के झगड़े और फर्जी मुठभेड़ों की वजह से सुर्खियों में है। उन्होंने कहा कि कानपुर शहर जो कभी अपनी कपड़ा मिलों और अन्य चीजों के निर्माण के केंद्र के लिए मशहूर था, वह अब सड़क हादसों, झगड़ों और प्रशासनिक कमियों से जुड़ा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक लाल इमली कपड़ा मिल के बंद होने और गंगा में सीवर का पानी जाने के मुद्दे का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि कानपुर की विरासत को कमजोर किया गया है। यादव ने सपा के सत्ता में वापस आने पर बदलाव का वादा करते हुए कहा कि उनकी सरकार कानपुर में लखनऊ से भी बेहतर रिवरफ्रंट बनाएगी।

झूठ बोलकर किसानों में भ्रम फैला रहे हैं : शिवराज

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को आरोप लगाया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बार-बार झूठ बोलकर किसानों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं और भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर आम जनता में भ्रम पैदा कर रहे हैं। चौहान ने कहा कि भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौता किसानों, मछुआरों, कारीगरों, स्टार्टअप्स और लघु एवं मध्यम उद्यमों के अधिकारों की रक्षा करता है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि राहुल गांधी लगातार झूठ बोल रहे हैं।

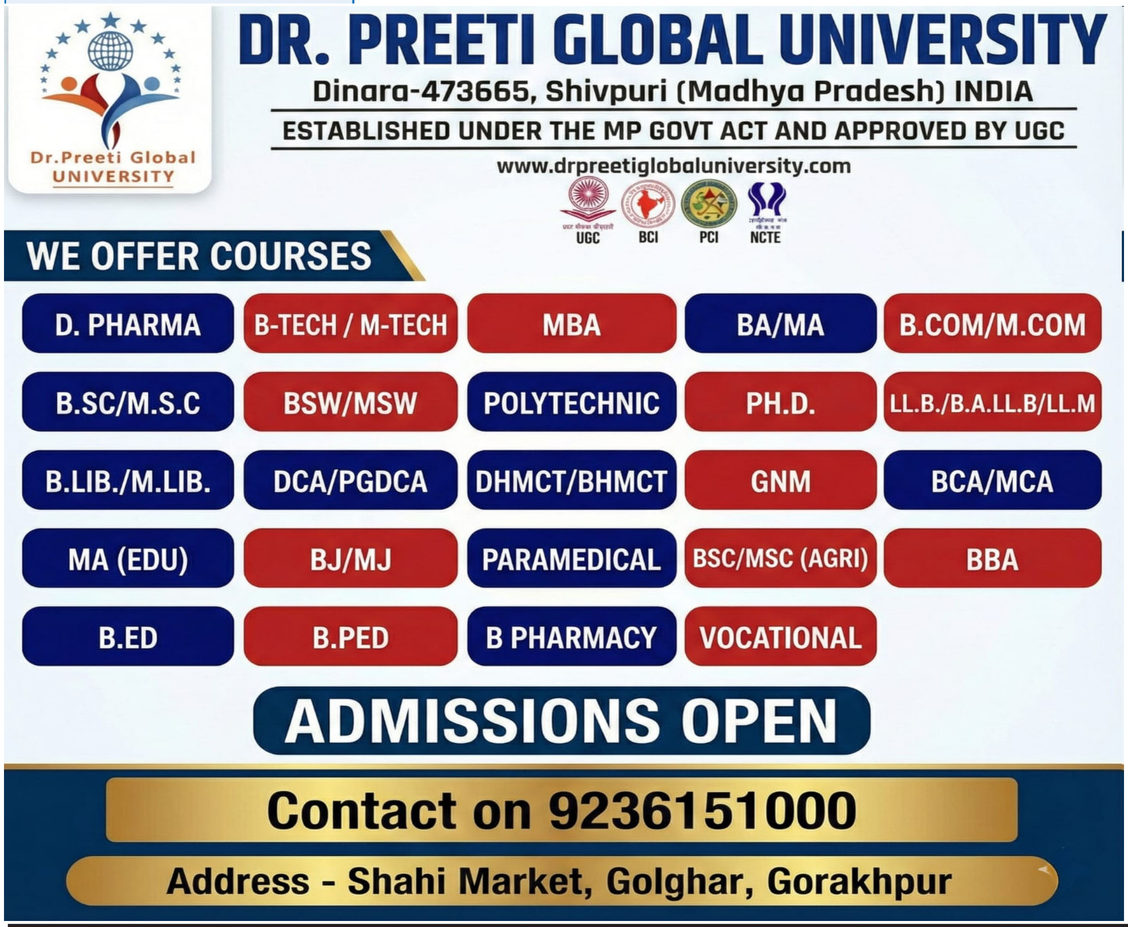

सम्पादकीय...

चिंताजनक है डीपफेक पोर्नोग्राफी का चलन

इस समय पोर्नोग्राफी के जरिए प्रभावशाली व्यक्तियों और महिलाओं को ब्लैकमेल करने की घटनाएं बड़ी तेजी से बढ़ रही हैं। यह आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस यानि कृत्रिम बुद्धिमता तकनीक का एक बड़ा दुरुपयोग है। यह हमारी सामाजिक चिंताओं में भी वृद्धि कर रहा है। डीपफेक पोर्नोग्राफी के इस्तेमाल के जरिए बिना सहमति वाले व्यक्तियों के अश्लील वीडियो बनाना और सांझे करना शामिल है और इसका इस्तेमाल व्यक्ति की छवि को खराब करने के लिए किया जाता है। डीपफेक पोर्नोग्राफी, या सरल शब्दों में कहें तो एक प्रकार की कृत्रिम पोर्नोग्राफी है, जिसे पहले से मौजूद तस्वीरों या वीडियो में डीपफेक तकनीक का इस्तेमाल करके बनाया जाता है। आघ्टफिशियल इंटैलीजैंस के जरिए आजकल डीपफेक पोर्न बनाया जा रहा है। इसका मतलब है कि ऐसा कोई भी अश्लील वीडियो या चित्र जो हमारा नहीं है मगर उस पर हमारा चेहरा लगा दिया जाता है और ये सब इतना सटीक होता है कि सामान्य इंसान इसे पहचान भी नहीं पाता कि यह नकली है या असली। डीपफेक शब्द डीप लनग और फेक का मिश्रण है। इससे वे सब बनाया जा सकता है, जिसे अब सिंथैटिक मीडिया कहा जाता है। इसमें किसी व्यक्ति के भाव,कार्यों की नकली तस्वीर या वीडियो क्लिप बनाया जा सकता है। यह न केवल दुनिया को मूर्ख बना सकता है, बल्कि आपकी समझ से भी खिलवाड़ कर सकता है। आघ्टफिशियल इंटैलीजैंस के चलते, हर गुजरते दिन के साथ ऐसी डीपफेक तकनीक आसान, सस्ती और अधिक सुलभ होती जा रही है। कम्प्यूटर की सहायता से बनाई गई नग्न तस्वीरों और वीडियो को डीप न्यूड कहा जाता है। हो यह रहा है कि साइबर अपराधी कृत्रिम बुद्धिमता सॉफ्टवेयर की मदद से वीडियो, ऑडियो और तस्वीरों पर नग्न सामग्री का लेप कर देते हैं। कृत्रिम बुद्धिमता का इस्तेमाल कर किसी व्यक्ति के बोलने के तरीके, सिर तथा चेहरे की गतिविधियों को किसी अन्य व्यक्ति के साथ शामिल कर देने से यह बताना मुश्किल हो जाता है कि यह वीडियोध्तस्वीरें सही हैं या गलत। कम्प्यूटर द्वारा तैयार की गई इन वीडियोध्तस्वीरों की सत्यता की जांच गहन विश्लेषण से ही की जा सकती है। साइबर विशेषज्ञ कहते हैं कि डीपफेक वीडियो और फोटो के फेशियल एज, हेयरलाइन्स, आईब्रो, आईग्लास बार्डर देखकर पहचाना जा सकता है। वीडियो प्ले होने पर आंखों और होंठों के मूवमैंट से डीपफेक वीडियो को पहचाना जा सकता है। इस तरीके से बनाए गए वीडियो और फोटो में हाथों और पैरों की लम्बाई एक समान नहीं होती। इस तरह ऐसे वीडियो को पहचाना जा सकता है। डीपफेक को लेकर आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस और साइबर दुनिया के दुरुपयोग पर नियंत्रण अत्यंत जरूरी है। साइबर सुरक्षा और सोशल मीडिया के दुरुपयोग का मुद्दा ऐसा है, जिसकी और अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। सोशल मीडिया के जरिए गलत सामग्री सांझी करने से लोगों के निजता के अधिकार का हनन होता है, ऐसे में इसके खिलाफ कड़ा नियमन करने की आवश्यकता है।

राशिफल

मेषः– पुराने गलतियो से सीख लेते हुए वर्तमान को सुधारें। अच्छे कायरे से परिजनो के दिल में जगह बनावें। रोजगार में नए लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न करें।

बृषभः– भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ति में असमर्थता जैसी पूर्वाग्रह मन में निराशा पैदा करेगी। नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी।

मिथुनः– मूल्यवान समय को व्यर्थ के कायरे में न गंवायें। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ संभव। संवेदनशील शरीर ग्रहो की प्रतिकूलता से बिमार पड़ सकता है।

कर्कः– सब कुछ सामान्यतः ठीक होते हुए भी मन में अरुचितकर लगेगा। रोजगार में नए लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट होगा। पिता के स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

सिंहः– किसी की अस्वस्थता से परिवार में कष्ट का वातावरण रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यवश घर से दूर जाना पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कायरे के प्रति आलस्य न करें, नुकशान हो सकता है।

कन्याः– प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन भाव उन प्रतिभाओं के लाभ से वन्चित हो सकता है। कल्पनाओं में जीना छोड़ कर भौतिक जगत के अनुरूप चलने का प्रयास करें।

तुलाः– योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। मस्त–मौला मन मौज मस्ती समय ब्यर्थ कर महत्वपूर्ण कार्य के प्रति लापरवाह होगा। शिक्षा–प्रतियोगिता में परिश्रम तिब्र होगा।

वृश्चिकः– नये घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन अत्यंत प्रसन्न होगा। नये कायरे के क्रियान्वयन के लिए प्रयत्न शील बनें।

धनुः– नए क्षेत्रों मे प्रयास से लाभ संभव है। समस्याओ के समाधान से उत्साह में बृद्धि होगी। नए सम्बन्धों के सहयोग से आर्थिक कठिनाईयां दूर होंगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

मकरः– सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ति में असमर्थता जैसी पूर्वाग्रह मन में निराशा पैदा करेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव पहुंच सकता है।

कुंभः– किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिया गया निर्णय से पश्चाताप का कारण बन सकता है। नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी।

मीनः– मन को सकारात्मक दिशा प्रदान करें।

उभरते भारत के लिए बजट: विकास इंजन के रूप में कपड़ा उद्योग

गिरिराज सिंह
विकसित भारत बजट 2026–27

वैश्विक अनिश्चितता के दौर में आत्मविश्वास, दृढ़ संकल्प और स्पष्ट सुधारोन्मुख दृष्टिकोण की ओर इंगित करता है। भारत आज विश्व की चैथी सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है तथा निकट भविष्य में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में मजबूती से अग्रसर है। माननीय प्रधानमंत्री के रणनीतिक नेतृत्व में, बीता वर्ष वस्त्र क्षेत्र के लिए एक निर्णायक मोड़ रहा है। 18 एफ.टी.ए. के माध्यम से, भारत को अब 800 बिलियन डॉलर के वैश्विक आयात बाजार में से लगभग 466 बिलियन डॉलर मूल्य के कपड़ा बाजारों तक विशेष पहुंच प्राप्त है, जिसे 110 बिलियन डॉलर के अमरीकी बाजार तक नए सिरे से पहुंच मिलने से और विस्तार मिला है। हाल ही में घोषित भारत–अमरीका व्यापार समझौते से निर्यात के पिछले वर्ष की तुलना में काफी बढने की उम्मीद है। बाजार तक पहुंच को सुदृढ़ करने के साथ–साथ, क्यू.सी.ओ. को हटाए जाने से अनुपालन संबंधी बोझ में कमी आई है, जबकि जी.एस.टी. सुधारों ने लंबे समय से चली आ रही उलटी शुल्क संरचना की समस्या का समाधान किया है, जिससे यह क्षेत्र निर्णायक रूप से फाइबर–न्यूट्रल ढांचे की ओर अग्रसर हुआ है। बजट 2026 को महत्वपूर्ण बनाने वाली बात इसकी निरंतरता और व्यापकता है। कपास उत्पादकता मिशन जैसी पहलें और व्यापक आर्थिक सुधार अब पायलट चरण से आगे बढ़कर स्थायी मंचों में परिवर्तित किए जा रहे हैं, जो संरचनात्मक सुधारों के वास्तविक स्वरूप को दशार्ता है। दशकों तक वस्त्र क्षेत्र को मुख्यतरू कल्याणकारी दृष्टिकोण से देखा जाता रहा। यह बजट वस्त्र क्षेत्र को अब विस्तार, प्रतिस्पर्धात्मकता और दीर्घकालिक राष्ट्रीय विकास के लिए एक मुख्य औद्योगिक रणनीति के रूप में पुनरू स्थापित करते हुए उस सोच में एक निर्णायक परिवर्तन का संकेत देता है। भारत का वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र देश के जी.डी.पी. में लगभग 2.3 प्रतिशत का योगदान देता है, औद्योगिक उत्पादन का लगभग 12 प्रतिशत हिस्सा है और 5.2 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करता है, जिससे यह अर्थव्यवस्था का एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्तंभ बन जाता है। हालांकि वैश्विक वस्त्र एवं परिधान निर्यात में भारत की हिस्सेदारी लगभग 4 प्रतिशत है, जो इस क्षेत्र में विस्तार की अपार संभावनाओं को रेखांकित करती है। सरकार ने इस दिशा में एक स्पष्ट और महत्वाकांक्षी मध्यम अवधि का लक्ष्य निर्धारित किया है। 2030 तक वस्त्र क्षेत्र का आकार 350 बिलियन डॉलर तक पहुंचाना और निर्यात को 100 बिलियन डॉलर तक विस्तारित करना। वस्त्र क्षेत्र की प्रगति को लंबे समय से बाधित करने वाला एक प्रमुख कारण पुराने उत्पादन क्लस्टरों पर इसकी निर्भरता रहा है, जो उत्पादकता और विस्तार को सीमित करता है। विनिर्माण संबंधी दक्षता बढ़ाने और लॉजिस्टिक्स लागतों को कम करने के लिए इकोसिस्टम का आधुनिकीकरण अनिवार्य है। बजट 2026 देशभर में 200 औद्योगिक क्लस्टरों के आधुनिकीकरण का प्रावधान करते हुए इस आवश्यकता का सीधे तौर पर समाधान करता है। साक्ष्य दशार्ते हैं कि क्लस्टर–आधारित विनिर्माण से श्रम उत्पादकता में 20 से 25 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है और प्रति इकाई लॉजिस्टिक्स लागत में 30 प्रतिशत तक की कमी लाई जा सकती है। मैगा टैक्सटाइल पार्कों, सांझा प्रसंस्करण सुविधाओं तथा प्लग–एंड–प्ले इकोसिस्टम में किए गए निवेश बड़े पैमाने पर स्थायी लागत को कम करते हैं। वस्त्र क्षेत्र के रूपांतरण के केंद्र में रोजगार सृजन और कार्यबल की तैयारी हैं। वस्त्र उद्योग, पूंजी–प्रधान उद्योगों की तुलना में प्रति करोड़ रुपए के निवेश पर लगभग 3 गुना अधिक रोजगार सृजित करता है और क्रमिक पहलों के माध्यम से पूरी मूल्य श्रृंखला में कौशल विकास और रोजगार–योग्यता को सुदृढ़ करने पर निरंतर ध्यान दिया गया है। इस क्लस्टर–आधारित विकास के समर्थन से, वस्त्र विस्तार एवं रोजगार योजना के तहत अगले 5 वर्षों में 2 से 3 करोड़ अतिरिक्त आजीविकाओं को सहारा मिलने की संभावना है। इस गति को समर्थ 2.0 के माध्यम से और बल दिया गया है, जिसके अंतर्गत 2026 से 2031 के बीच 2,800 करोड़ रुपए का प्रावधान कर 15 लाख उद्योग–तैयार श्रमिकों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस रोजगार और कौशल वृद्धि को सतत विकास में बदलने के लिए, वस्त्र मूल्य श्रृंखला में काम करने वाली सभी इकाइयों के पास विस्तार और प्रतिस्पर्धा करने की वित्तीय क्षमता होनी आवश्यक है। वस्त्र इकोसिस्टम की रीढ़ एम.एस.एम.ई. को पहचानना बजट 2026 का मुख्य फोकस है, जो उनकी सबसे बड़ी रुकावट–तरलता को सीधे तौर पर दूर करता है। 10,000 करोड़ रुपए का एस.एम.ई. ग्रोथ फंड, मजबूत टी.आर.ई.डी.एस. प्लेटफॉर्म के माध्यम से विस्तारित चालान वित्तपोषण और सरकारी भुगतान चक्रों में तेजी कार्यशील पूंजी पर दबाव को कम करते हैं क्योंकि अकेला विलंबित भुगतान ही प्रति वर्ष लगभग 15 प्रतिशत एम.एस.एम.ई. पूंजी को अवरुद्ध कर देता है।

कुछ खास...

राहुल गांधी पर भाजपा का नया वार

कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से भाजपा का डर अब खुलकर सामने

आने लगा है। बुधवार को राहुल गांधी ने संसद में जिस तरह अमेरिका से हुए व्यापार समझौते और एपस्टीन फाइल्स पर मोदी सरकार को घेरा, उसके बाद उनके भाषण के कई हिस्से सदन की कार्रवाई से निकाल दिए गए। इसके बाद भी राहुल गांधी का सामना भाजपा नहीं कर पा रही है तो अब उन्हें संसद से बाहर करने की कोशिश करने लगी है। हालांकि केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने बुधवार को संसद में और संसद के बाहर कहा था कि भाजपा राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाएगी। लेकिन गुरुवार को भाजपा ने सिर्फ लोकसभा सदस्यता समाप्त करने की मांग की। समझा जाता है कि विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव रखे जाने पर भाजपा को अपने सहयोगी दलों से समर्थन की उम्मीद नहीं थी। दूसरा डर यह था कि इस पर संसद में बहस के दौरान फिर केंद्र बिंदु राहुल गांधी ही बनते। और मोदी सरकार नहीं चाहती कि राहुल गांधी पर बहस केंद्रित हो। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि मैंने एक ठोस प्रस्ताव पेश किया है जिसमें मैंने उल्लेख किया है कि वे कथित तौर पर सोरोस फाउंडेशन, फोर्ड फाउंडेशन, यूएसएआईडी से जुड़े हुए हैं और थाईलैंड, कंबोडिया, वियतनाम और अमेरिका जैसे स्थानों की यात्रा करते हैं, और भारत विरोधी ताकतों से जुड़े हुए हैं। मैंने मांग की है कि उनकी सदस्यता रद्द की जाए और उन्हें जीवन भर के लिए चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित किया जाए। अपने डर को छिपाने के लिए नरेन्द्र मोदी ने निशिकांत दुबे को आगे किया है, हालांकि इस नोटिस के बाद भाजपा को यह साबित भी करना होगा कि जिन फाउंडेशन्स या देशों का नाम लिया गया है, वे किस तरह देश विरोधी हैं और राहुल से उनके क्या संबंध हैं। ध्यान देने वाली बात यह है कि राहुल गांधी को चुनाव लड़ने से रोकने और संसद सदस्यता खत्म करने का यह नोटिस उस समय दिया गया जब मोदी सरकार को ही यह साबित करना है कि एपस्टीन फाइल्स मामले में वह बेदाग हैं। क्योंकि नरेन्द्र मोदी, उनके केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, श्री मोदी के करीबी कारोबारी अनिल अंबानी जैसे लोगों के नाम इस कुख्यात मामले में आए हैं। ऐसे में केवल मुंहजबानी सफाई पेश करने से कुछ नहीं होगा।

बल्कि ठोस सबूतों के साथ साबित करना होगा कि मानव तस्करी, यौन शोषण और मानवता को तार–तार करने वाले न जाने कितने घिनौने अपराधों से जुड़े इस मामले में किसी तरह भी मोदी सरकार का कोई संबंध नहीं है। हम यह बात पहले भी लिख चुके हैं कि इस मामले में दुनिया भर में इस्तीफे हो रहे हैं। किसी पर अपराध साबित हुआ या न हुआ हो, केवल एपस्टीन फाइल्स में नाम आने पर ही लोगों को इस्तीफे के लिए मजबूर किया जा रहा है।

बॉर्डर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर मचाया गदर, 300 करोड़ की कमाई पर सनी देओल ने दिया बड़ा बयान

एक्टर सनी देओल ने गुरुवार को अपनी नई रिलीज, बॉर्डर 2 की सफलता का जश्न मनाने के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया। एक्टर ने दर्शकों को उनके लगातार सपोर्ट

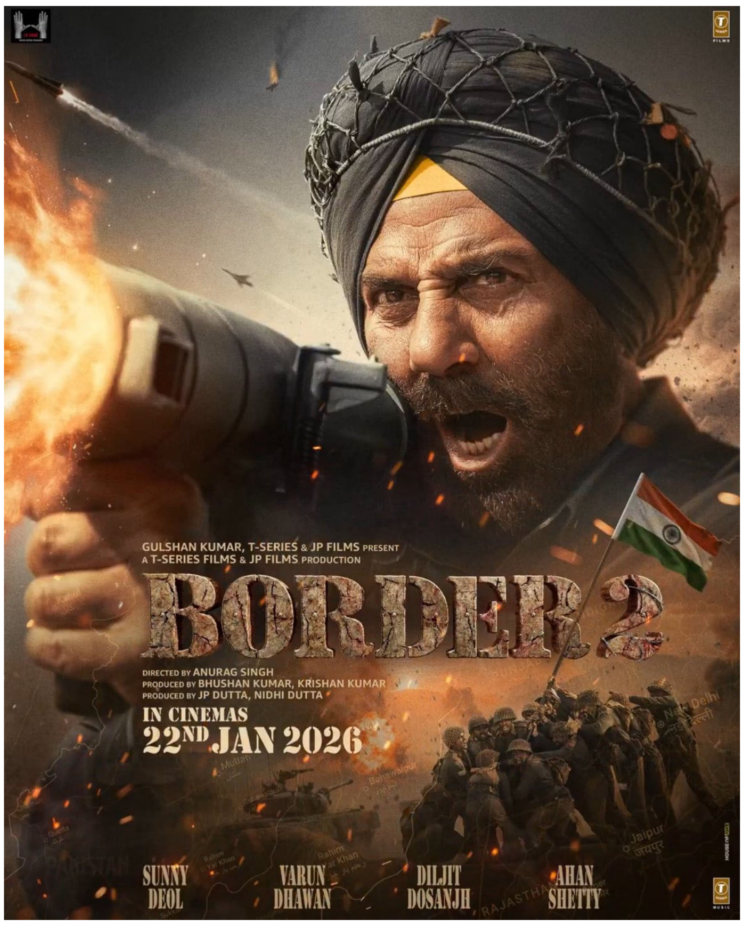

के लिए धन्यवाद दिया और अपने करियर की एक मजबूत दूसरी पारी के बारे में बताया। पिछले तीन सालों में, देओल ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी सफलताएँ दी हैं। गदर 2 एक ब्लॉकबस्टर साबित हुई, जाट ने थिएटर में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया, और बॉर्डर 2 अभी पूरे देश में शानदार प्रदर्शन कर रही है। बातचीत के दौरान, एक पत्रकार ने उन्हें सनी देओल 2.0 कहा, और उनकी नई लोकप्रियता को माना। इस बात पर जवाब देते हुए एक्टर ने कहा, इतने साल पता नहीं कहाँ छुपा हुआ था। यह सच में बहुत प्यारा है। मैं बस सबसे यही कहना चाहता हूँ — कड़ी मेहनत करो, अपने प्रोफेशन से प्यार करो, निराश मत हो। समय एक ऐसी चीज है जिसके बारे में आपको कभी नहीं पता होता कि यह कब आएगा और कब जाएगा, लेकिन आपको इसके लिए तैयार रहना चाहिए। देओल ने अपनी सफलता का क्रेडिट अपने गुजर चुके पिता, जाने-माने एक्टर धर्मेंद्र के आशीर्वाद के साथ-साथ भगवान की कृपा को भी दिया। उन्होंने कहा, यह सब मेरे पापा की कृपा और वाहेगुरु दी मेहर है। लोग मुझे पहले भी प्यार करते थे, और आज भी कर रहे हैं। मैं जहाँ भी जाता हूँ, मुझे बहुत प्यार मिलता है। बॉर्डर 2, जो 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई, 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान हुई असली घटनाओं से प्रेरणा लेती है। यह फिल्म इंडियन आर्मी, नेवी और एयर फोर्स के मिलकर किए गए कामों को दिखाती है, जिसमें देओल एक बार फिर एक मिलिट्री ऑफिसर का रोल कर रहे हैं। बॉक्स ऑफिस डेटा के मुताबिक, फिल्म ने अपने पहले हफ्ते में 224.25 करोड़ रुपये और दूसरे हफ्ते में 70.15 करोड़ रुपये कमाए। 17वें दिन तक, बॉर्डर 2 ने भारत में 309.09 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया था, जिसमें डोमेस्टिक ग्रॉस 361.94 करोड़ रुपये था। फिल्म में वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी, मोना सिंह, सोनम बाजवा, अन्या सिंह, प्रणव वशिष्ठ और मेधा राणा भी हैं। 1997 की वॉर ड्रामा का यह सीक्वल टी-सीरीज और जे पी फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है।

धोखाधड़ी मामले में विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी को बड़ी राहत, दो महीने बाद जेल से हुए रिहा

फिल्म निमार्ता विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी भट्ट पर पिछले साल दिसंबर में पैसों की धोखाधड़ी के आरोप लगे थे, जिसके बाद से दोनों 7 दिसंबर से जेल की हवा खा रहे थे। वहीं, हाल ही में इस दंपति को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत दे दी है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सुनवाई के दौरान दोनों को तुरंत रिहा करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट को कहा कि वे तय शर्तों के साथ औपचारिक बेल ऑर्डर जारी करें। साथ ही अदालत ने शिकायतकर्ता अजय मुर्डिया और राजस्थान सरकार को नोटिस जारी कर अगली सुनवाई में उपस्थित रहने को कहा है। इस मामले की अगली सुनवाई 19 फरवरी को होगी। इससे पहले 31 जनवरी को राजस्थान हाईकोर्ट ने विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। हाईकोर्ट का कहना था कि मामले की गंभीरता को देखते हुए इस स्तर पर जमानत देना उचित नहीं है। शिकायत दर्ज होने के बाद 7 दिसंबर को दोनों को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उन्हें मुंबई से उदयपुर लाया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उदयपुर के कारोबारी अजय मुर्डिया ने आरोप लगाया है कि विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी ने फिल्म निर्माण में निवेश के नाम पर उनसे करीब 30 करोड़ रुपये लिए। शिकायत के मुताबिक, उन्हें ज्यादा मुनाफे का भरोसा दिलाया गया था। आरोप यह भी है कि फिल्म प्रोजेक्ट के नाम पर लिए गए पैसों का सही उपयोग नहीं किया गया। साथ ही अलग-अलग नामों से कथित फर्जी बिल लगाकर अतिरिक्त रकम ली गई। शिकायतकर्ता का दावा है कि निवेश की रकम का कुछ हिस्सा निजी खातों में ट्रांसफर किया गया। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद दोनों को राहत मिली है, लेकिन मामले की कानूनी प्रक्रिया जारी रहेगी। आने वाली सुनवाई में कोर्ट आगे की दिशा तय करेगा।

उप्स मोमेंट का शिकार हुई एक्ट्रेस श्रीलीला

✦ एमबीबीएस डिग्री मिलने के बाद रेड ड्रेस में कर गई ये गलती

साउथ और बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस श्रीलीला ने हाल ही में अपनी मेहनत का फल पाया और एमबीबीएस की डिग्री पूरी कर ली। छह साल की मेहनत के बाद उन्होंने न सिर्फ एक सफल एक्ट्रेस के तौर पर पहचान बनाई, बल्कि अब वे अधिकारिक तौर पर डॉक्टर भी बन गई हैं। उनके गाने किसिक से फिल्म पुष्पा 2 में उन्होंने दर्शकों का दिल जीता था। लेकिन डिग्री लेने के बाद उनका एक मजेदार उप्स मोमेंट सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। डिग्री मिलने के तुरंत बाद श्रीलीला खुशी-खुशी एयरपोर्ट पहुंचीं। उन्होंने एक खूबसूरत रेड ड्रेस पहनी थी और पूरी तरह स्टाइलिश लग रहीथीं। इस दौरान पेपराज्जी ने उनकी तस्वीरें और वीडियो खींचे, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गए। लोग उनकी खूबसूरती और स्टाइल की तारीफ कर रहे थे। जश्न और जल्दबाजी में श्रीलीला ने अपनी ड्रेस का प्राइस टैग नहीं हटाया। कैमरे की नजर से यह टैग बच नहीं सका और तस्वीरों में साफ दिख गया। जब इस बात का एहसास हुआ, तो उन्होंने खुद हंसते हुए कहा, किसी को बता देना चाहिए! इस छोटे से मोमेंट ने उनके फैंस को बहुत खुश किया और लोग कह रहे हैं कि यह गलती उनकी क्यूटनेस और डाउन-टू-अर्थ पर्सनैलिटी को और बढ़ा रही है। श्रीलीला की एमबीबीएस डिग्री और उनकी मेहनत को फैंस ने खूब सराहा। इसी बीच उनका ऐसा सरल और ग्रेसफुल व्यवहार देखकर लोग उनके मुरीद हो गए। एक तरफ वे फिल्मों में व्यस्त हैं, तो दूसरी तरफ अब वे एक डॉक्टर भी हैं। और इसी बीच हुई यह छोटी-सी मजेदार गलती उनके व्यक्तित्व को और निखार रही है। श्रीलीला का यह व्वचे मोमेंट साबित करता है कि बड़ी उपलब्धियों और ग्लैमर के बीच भी कभी-कभी छोटी-छोटी गलतियां होती हैं, और उन्हें हंसते-हंसते हैंडल करना ही असली स्टाइल है।

रणवीर सिंह और रोहित शेट्टी को पुलिस कंप्लेंट पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग से नई धमकी मिली

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह और ब्लॉकबस्टर निर्देशक रोहित शेट्टी एक बार फिर अंडरवर्ल्ड के निशाने पर हैं। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के कथित सदस्य हैरी बॉक्सर ने दोनों हस्तियों को नई धमकी दी है। यह धमकी उन खबरों के बाद आई है जिनमें कहा गया था कि इन सितारों ने सुरक्षा चिंताओं को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। रणवीर सिंह को एड्रेस करते हुए मैसेज में कहा गया कि उसने रोहित शेट्टी को पुलिस से संपर्क करने की सलाह दी है और चेतावनी दी है कि "तुम्हारी अगली सात पीढ़ियां भी हमें नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगी।" धमकी में दावा किया गया कि उन्हें पता है कि उनके मैनेजर कहां रहते हैं, वे रोज कहां आते-जाते हैं, और उनके परिवार कहां रहते हैं, और कहा गया कि अगर उन्होंने "अपने तरीके नहीं बदले" तो वे मैनेजरों को एक-एक करके टारगेट करना शुरू कर देंगे। इसके साथ ही, उसने पुर्तगाल में भारतीय पासपोर्ट जब्त करने से जुड़ी हाल ही में हुई फायरिंग की भी जिम्मेदारी ली। लॉरेंस बिश्नोई गैंग और हैरी बॉक्सर द्वारा कथित तौर पर जारी की गई ऑडियो धमकियों के बारे में, मुंबई पुलिस अपने ऑफिशियल बयान पर कायम है। मुंबई पुलिस क्राइम ब्रांच के एक सीनियर ऑफिसर ने कहा कि इस ऑडियो मैसेज का सोर्स मुख्य रूप से मीडिया है। पुलिस को यह ऑडियो सिर्फ.मीडिया चैनलों से मिला है, इसलिए यह असल में किसी गैंग के सदस्य का है या नहीं, यह ठीक से जांच के बाद ही कन्फर्म होगा। मुंबई पुलिस ने साफ किया है कि कॉपीकैट क्रिमिनल्स और असली धमकियों में फर्क करना बहुत मुश्किल है। पुलिस के मुताबिक, अक का इस्तेमाल करके ऐसे कई फेक ऑडियो मैसेज आसानी से बनाए जा सकते हैं। हालांकि सोशल मीडिया और न्यूज आउटलेट इन मैसेज को वायरल होने का प्लेटफॉर्म देते हैं, लेकिन पुलिस को सर्कुलेट हो रहे ऑडियो के बारे में पता है और उसने कन्फर्म किया है कि इसकी पूरी तरह से जांच की जाएगी।

पेट की ये आम दिक्कत कहीं बन न जाए जानलेवा, 600% तक बढ़ा सकती है कैंसर का खतरा

एक पुरानी कहावत है- "पेट ठीक तो सेहत ठीक"। हालांकि मेडिकल रिपोर्ट्स पर नजर डालें तो पता चलता है कि पेट और पाचन से संबंधित समस्याओं के मामले दुनियाभर में तेजी से बढ़ते जा रहे। पेट से संबंधित कई प्रकार के कैंसर के कारण स्वास्थ्य सेवाओं पर अतिरिक्त दबाव भी बढ़ता जा रहा है, जिसे लेकर विशेषज्ञ काफी चिंतित हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एक रिपोर्ट के मुताबिक कोलोरेक्टल कैंसर दुनियाभर में तीसरा सबसे आम कैंसर है, जो सभी कैंसर के मामलों का लगभग 10% है। ये कैंसर से होने वाली मौतों का दूसरा सबसे बड़ा कारण भी है। आमतौर पर 50 साल से अधिक उम्र वालों में इसका खतरा अधिक देखा जाता है, हालांकि अब कम उम्र वाले भी इसका शिकार हो रहे हैं।

कोलन कैंसर या कोलोरेक्टल कैंसर बड़ी आंत या मलाशय में शुरू होता है। मल त्याग की आदतों में बदलाव, मल से खून आने और पेट में अक्सर बने रहने वाले तेज दर्द को इसका प्रमुख लक्षण माना जाता रहा है। इस बढ़ते कैंसर के जोखिमों को लेकर हाल ही में विशेषज्ञों की एक टीम ने आंतों से संबंधित एक बहुत ही कॉमन समस्या के बारे में बताया है, जो कोलोरेक्टल कैंसर का खतरा 600% तक बढ़ाने वाली हो सकती है।

पेट की समस्या बढ़ा देती है बाउल कैंसर का खतरा

वैज्ञानिकों की एक टीम ने लोगों को सावधान करते हुए कहा है कि 50 की उम्र से पहले भी लोगों में जानलेवा कोलोरेक्टल कैंसर होने का गंभीर खतरा बढ़ता देखा जा रहा है। ऐसे लोगों की जब मेडिकल हिस्ट्री देखी गई तो पता चला कि ज्यादातर लोगों को पेट की एक आम समस्या रह चुकी है।

विशेषज्ञों ने बताया कि जिन लोगों को इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज की दिक्कत होती है, ऐसे लोगों में आगे चलकर बाउल कैंसर का खतरा 600 प्रतिशत तक ज्यादा हो सकता है। बाउल कैंसर को कोलन कैंसर या कोलोरेक्टल कैंसर के नाम से भी जाना जाता है।

अगर आपका पेट भी अक्सर खराब (डायरिया/कब्ज) रहता है, पेट में तेज दर्द या ऐंठन बनी रहती है, बार-बार शौच जाना पड़ता है या फिर वजन कम होता जा रहा है तो ये इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज का लक्षण हो सकता है।

इस तरह की समस्याओं पर समय रहते गंभीरता से ध्यान देना और इलाज कराना जरूरी हो जाता है। इसमें देरी बाउल कैंसर का खतरा बढ़ाने वाली हो सकती है।

क्या कहती हैं विशेषज्ञ?

ब्रिटेन के किंग्स कॉलेज लंदन की न्यूट्रिशन साइंटिस्ट प्रोफेसर सारा बेरी का कहना है कि इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज के शिकार लोगों के पेट में अक्सर बहुत ज्यादा दर्द होता रहता है।

इन्फ्लेमेटरी बाउल डिजीज (आईबीडी) एक अम्ब्रेला टर्म है यानी कि ये कई समस्याओं का समूह है जिसमें पाचन तंत्र की के सूजन की समस्या बनी रहती है।

इन्फ्लेमेटरी बाउल डिजीज में आमतौर पर दो समस्याएं बहुत आम हैं, क्रोहन रोग और अल्सरेटिव कोलाइटिस, ये दोनों ही आंतों को नुकसान पहुंचाती हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि कम उम्र में बाउल कैंसर के मामले बढ़ते जा रहे हैं। इसकी रोकथाम के लिए आईबीडी वाले मरीजों का इलाज करना सबसे जरूरी हो जाता है।

प्रोफेसर बेरी कहती हैं, आईबीडी के मरीजों को बाकी लोगों की तुलना में कम उम्र में कोलोरेक्टल कैंसर का खतरा ज्यादा होता है। आंतों में लगातार सूजन की समस्या कैंसर को ट्रिगर करने वाली हो सकती है।

भारतीय आबादी में भी बढ़ रही है ये बीमारी

गौरतलब है कि भारतीय आबादी में भी बाउल (कोलोरेक्टल) कैंसर बढ़ रहा है, यह टॉप-पांच कैंसर में से एक है। शहरी इलाकों में इसके मामले ज्यादा देखे जा रहे हैं। साल 2022 के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि इस साल देश में कोलन कैंसर के 64,000 से ज्यादा मामले सामने आए थे। 50 साल से कम उम्र के युवाओं (15-20% मामलों) में भी इसका जोखिम देखा जा रहा है।

प्रोफेसर बेरी कहती हैं, ज्यादातर मरीजों में शुरूआती लक्षणों में हम सबसे पहले शौच की आदतों में बदलाव वाले लक्षण देखते हैं। इसमें डायरिया और कब्ज से लेकर मल में खून, पेट दर्द, थकान और बिना किसी वजह के वजन कम होने जैसी दिक्कतें नोटिस की जाती हैं।

मोटापा, व्यायाम की कमी और शराब, ये सभी समय के साथ इस बीमारी का खतरा बढ़ाते हैं।

बाउल कैंसर से बचाव के लिए क्या करें?

प्रोफेसर सारा बेरी कहती हैं, हमें यह पहले से ही पता है कि जिन मरीजों की डाइट ठीक नहीं होती है यानी कि जो लोग प्रोसेस्ड फूड्स और मीठे ड्रिंक्स ज्यादा लेते हैं, उन्हें बाउल कैंसर का खतरा अधिक होता है। अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड्स को इन्फ्लेमेटरी बाउल डिजीज का भी बड़ा कारण माना जाता रहा है।

अध्ययन में यह भी पाया गया कि जिन मरीजों को हाई ब्लड शुगर की बीमारी, हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल और मोटापे की समस्या है, उन्हें कम उम्र में कोलोरेक्टल कैंसर होने का खतरा लगभग 360 प्रतिशत तक अधिक हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहती हैं, निष्कर्ष से पता चलता है कि अगर कम उम्र से ही लाइफस्टाइल और खान-पान में सुधार कर लिया जाए तो इस जानलेवा बीमारी के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

बालों के झड़ने के साथ कमजोर हो गए हैं नाखून? डॉक्टर ने बताया है इस जरूरी पोषक तत्व की कमी

अक्सर जब हम आईने में अपने झड़ते हुए बालों को देखते हैं तो हम इसे बाहरी प्रदूषण या किसी गलत शैम्पू का नतीजा मान लेते हैं। देखा जाए तो बाल झड़ने के कई कारण हो सकते हैं, लेकिन अगर इसके साथ आपके नाखून में भी कमजोरी देखने को मिल रही है, तो ये महत्वपूर्ण पोषक तत्व प्रोटीन की कमी का संकेत हो सकता है। असल में प्रोटीन न सिर्फ हमारी मांसपेशियों के निर्माण के लिए जरूरी है, बल्कि यह हमारे बालों और नाखूनों की मुख्य संरचनात्मक इकाई 'केराटिन' का आधार भी है।

इसी विषय पर डॉक्टर शालिनी सिंह सोलंकी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करके बताया है कि प्रोटीन की कमी से शरीर क्या संकेत देते हैं। डॉक्टर के मुताबिक हमारे बाल और नाखून 'केराटिन' नामक तत्व से बने होते हैं, जिसका निर्माण प्रोटीन के माध्यम से ही होता है। जब शरीर में इसकी कमी होती है, तो बाल अपनी मजबूती खोकर गिरने लगते हैं और नाखून बेजान होकर टूटने लगते हैं।

डॉ. सोलंकी के अनुसार प्रोटीन हमारे शरीर में हार्मोनल संतुलन बनाए रखने, ब्लड शुगर को नियंत्रित करने और हमें समय से पहले बूढ़ा दिखने से बचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रोटीन की कमी होने पर इसके अलावा भी शरीर में कई संकेत दिखते हैं, जिसके बारे में आपको भी जानना चाहिए।

मांसपेशियों में दर्द और धीमी रिकवरी का संकेत

डॉक्टर सोलंकी बताती हैं कि अगर आपको बिना किसी भारी काम के भी हर समय मांसपेशियों में दर्द और कमजोरी महसूस होती है, तो यह 'मसल्स ब्रेकडाउन' का संकेत हो सकता है। दरअसल प्रोटीन की कमी होने पर शरीर एनर्जी के लिए अपनी ही मांसपेशियों के टिश्यूज को तोड़ने लगता है। इसके कारण किसी भी चोट या घाव को भरने की गति बहुत धीमी हो जाती है क्योंकि शरीर के पास नए टिश्यूज बनाने के लिए पर्याप्त प्रोटीन उपलब्ध नहीं होता है।

हर समय भूख लगना और तृप्ति की कमी

क्या आपको खाने के तुरंत बाद फिर से भूख महसूस होती है? डॉ. सोलंकी बताती हैं कि प्रोटीन की कमी से शरीर में 'रं३ी३८' यानी पेट भरा होने का अहसास कराने वाले हार्मोन्स नहीं बन पाते। इसकी वजह से व्यक्ति कितना भी खा ले, उसका मन नहीं भरता और वह बार-बार अनहेल्दी स्नैकिंग की ओर भागता है। प्रोटीन युक्त आहार लेने से भूख नियंत्रित रहती है और शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा मिलती रहती है।

मीठा खाने की तीव्र इच्छा और शुगर कंट्रोल

प्रोटीन की कमी का एक हैरान करने वाला लक्षण है, बार-बार मीठा खाने की तीव्र इच्छा होना। प्रोटीन हमारे रक्त में शुगर के स्तर को स्थिर रखने का काम करता है। जब डाइट में प्रोटीन कम होता है, तो शुगर लेवल बार-बार ऊपर-नीचे होता है, जिससे हमारा दिमाग तेजी से मीठी चीजों की मांग करने लगता है। अगर आप अपनी डाइट में दालें, अंडे या पनीर जैसे स्रोत शामिल करते हैं, तो यह क्रेविंग नेचुरल रूप से कम हो सकती है।

समय रहते डॉक्टर से लें परामर्श

प्रोटीन की कमी केवल बाहरी दिखावट ही नहीं बल्कि आपके पूरे मेटाबॉलिज्म को प्रभावित करती है। अगर आप बालों का झड़ना, नाखूनों की कमजोरी, मांसपेशियों में दर्द या अत्यधिक भूख जैसे लक्षणों का अनुभव कर रहे हैं, तो इसे सामान्य थकान समझकर नजरअंदाज न करें। ऐसे किसी भी लक्षण के दिखने पर तुरंत अपने नजदीकी डॉक्टर से परामर्श लें और अपनी डाइट में सुधार करें। संतुलित पोषण ही स्वस्थ और लंबी आयु का एकमात्र मंत्र है।

जान लीजिए किडनी की सेहत का सीक्रेट, ये चार आदतें इस अंग को रखेंगी हेल्दी

पिछले एक दशक के मेडिकल रिपोर्ट्स पर नजर डालें तो पता चलता है कि किडनी से संबंधित समस्याओं के मामले तेजी से बढ़े हैं। अब 30 साल से कम उम्र के लोग भी इसका शिकार हो रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ लाइफस्टाइल और खान-पान में गड़बड़ी को इसका प्रमुख कारण मानते हैं। अनियमित दिनचर्या, जंक फूड, अधिक नमक और प्रोसेस्ड फूड का अधिक सेवन किडनी की सेहत पर सीधा असर डालती है। डॉक्टर कहते हैं, जिन लोगों को डायबिटीज होता है उनमें किडनी की बीमारियां और गंभीर स्थितियों में किडनी फेलियर होने तक का खतरा बढ़ जाता है। जिस तरह से किडनी की दिक्कतें बढ़ती जा रही हैं, सभी लोगों को इसके लेकर सावधान रहने की आवश्यकता है। किडनी को स्वस्थ रखने के तरीकों को बढ़ावा देने, इसके उचित देखभाल को लेकर लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष मार्च माह के दूसरे गुरुवार को विश्व किडनी दिवस मनाया जाता है। आइए जानते हैं कि किडनी को स्वस्थ रखने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?

क्यों बढ़ती जा रही है किडनी की बीमारी?

स्वास्थ्य विशेषज्ञों की मानें तो डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर, किडनी की गंभीर बीमारियों और किडनी फेलियर के लगभग 60% मामलों के लिए जिम्मेदार होते हैं।

पानी कम पीना भी एक बड़ा कारण है, जिससे टॉक्सिन्स शरीर में जमा होने लगते हैं और किडनी के लिए समस्याएं बढ़ने लगती हैं। धूम्रपान, शराब, मोटापा को भी अध्ययनों में किडनी की सेहत के लिए मुश्किलें बढ़ाने वाला पाया गया है। लंबे समय तक और बिना डॉक्टर की सलाह के अगर आप पेनकिलर लेते रहते हैं तो इससे भी किडनी के खराब होने का खतरा बढ़ जाता है। डॉक्टर कहते हैं अगर कम उम्र से ही दिनचर्या में चार आदतों को शामिल कर लिया जाए तो किडनी की समस्याओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

आज से ही कर लें डाइट में सुधार

किडनी को स्वस्थ रखने के लिए आहार को ठीक रखना जरूरी है। इसके लिए भोजन में फल और सब्जियों की मात्रा को बढ़ाएं। ऐसे आहार किडनी के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण होते हैं क्योंकि इससे शरीर को विटामिन, खनिज और जरूरी एंटीऑक्सीडेंट्स प्राप्त होता है। हालांकि ध्यान रखें, बहुत अधिक प्रोटीन और तले हुए भोजन से बचाव करना चाहिए। किडनी की बीमारियों से बचाव के लिए सोडियम, शक्कर और प्रोसेस्ड फूड्स का सेवन कम से कम करें।

न वजन ज्यादा और न पेट बाहर, फिर भी हो रहा फैटी लिवर! डॉक्टर से जानिए क्या है इसका कारण

लिवर हमारे शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक है, जो खून से अशुद्ध चीजों को फिल्टर करने, डाइजेशन को ठीक रखने, ब्लड शुगर को कंट्रोल करने से लेकर एल्ब्यूमिन जैसे जरूरी प्रोटीन बनाने में मदद करता है। मसलन शरीर स्वस्थ रहे इसके लिए जरूरी है कि आपका लिवर ठीक तरीके से काम करता रहे। हालांकि लाइफस्टाइल और खान-पान की गड़बड़ी के कारण लिवर से संबंधित बीमारियों के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। लिवर में फैट जमा होने की बीमारी यानी फैटी लिवर डिजीज समय के साथ कम उम्र के लोगों को भी अपना शिकार बना रही है।

फैटी लिवर डिजीज के लिए शराब पीने की आदत, मोटापा, व्यायाम न करने और लंबे समय तक बैठकर काम करते रहने को जिम्मेदार माना जाता रहा है। अध्ययनों से पता चलता है कि जिन लोगों का वजन अधिक होता है या फिर मोटापे का शिकार हैं, ऐसे लोगों में फैटी लिवर रोग होने का खतरा और अधिक हो सकता है।

ऐसे में सवाल ये है कि क्या दुबले-पतले लोग या जिनका वजन कंट्रोल है ऐसे लोगों को भी फैटी लिवर की बीमारी हो सकती है?

दुबले-पतले लोगों में बढ़ती फैटी लिवर की समस्या

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अक्सर माना जाता रहा है कि फैटी लिवर की बीमारी सिर्फ मोटापा ग्रस्त या ज्यादा वजन वाले लोगों को होती है, हालांकि विशेषज्ञ कहते हैं, ओपीडी में ऐसे मरीजों की संख्या भी बढ़ रही है जिनका वजन तो कंट्रोल में होता है पर उनके लिवर में फैट जमा होने की समस्या देखी जाती है। दुबले-पतले लोग भी फैटी लिवर रोग का शिकार पाए जा रहे हैं। इस तरह के फैटी लिवर को लीन फैटी लिवर या फिर नॉन-ओबेसिटी फैटी लिवर डिजीज कहा जाता है।बातचीत में लिवर रोग विशेषज्ञ डॉ अभिजीत पाण्डेय कहते हैं, अगर आप कम वजन वाले हैं तो इसका मतलब ये नहीं है कि आपको फैटी लिवर डिजीज नहीं होगी। अगर लाइफस्टाइल ठीक नहीं है तो ये बीमारी किसी को भी हो सकती है।

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

डॉ अभिजीत पाण्डेय बताते हैं, फैटी लिवर रोग का संबंध मेटाबॉलिज्म से होता है। वजन कंट्रोल में होने का मतलब ये नहीं है कि आपका मेटाबॉलिज्म ठीक हो।

कुछ लोगों के लिवर के आसपास फैट जमा हो जाता है, भले ही वे पतले दिखते हों। इसके लिए लाइफस्टाइल में गड़बड़ी, खानपान की गड़बड़ी सहित कई अन्य स्थितियों को जिम्मेदार माना जा सकता है।

लाइफस्टाइल की गड़बड़ आदतें जैसे ज्यादा रिफाइंड कार्बोहाईड्रेट और मीठी चीजें खाना, सॉफ्ट ड्रिंक्स और पैकेज्ड स्नैक्स खाने की आदत लिवर की सेहत को नुकसान पहुंचाती है और फैटी लिवर रोग का कारण बन सकती है। शारीरिक गतिविधियों की कमी, नींद पूरी न होना, लंबे समय तक बैठकर काम करना, स्ट्रेस और गट हेल्थ में असंतुलन भी आपमें फैटी लिवर रोग का खतरा बढ़ाने वाले हो सकते हैं, भले ही आपका वजन कंट्रोल में है।

हाई-वोल्टेज मुकाबले के लिए आज रवाना होगी टीम इंडिया, कोलंबो में रविवार को होगा पाकिस्तान से सामना

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान

के बीच रविवार यानी 15 फरवरी को टी20 विश्व कप 2026 का हाई-वोल्टेज मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच के लिए भारतीय टीम आज कोलंबो रवाना होगी, जिसके लिए सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व वाली टीम दिल्ली एयरपोर्ट पहुंच चुकी है।

हाई-प्रेशर मुकाबले में खेलेंगे अभिषेक शर्मा?

भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को खेला जाने वाला टी20 विश्व कप का ग्रुप मैच हाई-प्रेशर वाला होगा। इस मैच से पहले भारत की चिंताएं बढ़ी हैं। दरअसल, विस्फोटक ओपनर अभिषेक शर्मा पेट में संक्रमण के कारण नामीबिया के खिलाफ मैच में नहीं खेल पाए थे। गुरुवार को नामीबिया के खिलाफ मुकाबले में जब कप्तान सूर्यकुमार से सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'अभिषेक अब भी बीमारी से उबर रहे हैं जिस कारण वह एक या दो मैचों से बाहर हो सकते हैं।' कप्तान की इस बात से संकेत मिले हैं कि अभिषेक का पाकिस्तान के खिलाफ मैच में खेलना तय नहीं है।

ग्रुप ए की अंक तालिका का हाल

भारत और पाकिस्तान की टीमें ग्रुप ए में हैं और दोनों ने ही अपने शुरुआती दोनों मैच जीते हैं। हालांकि, दोनों के नेट रन रेट में जमीन-आसमान का फर्क है। भारत चार अंक और +3.050 के नेट रन रेट के साथ शीर्ष पर है जबकि पाकिस्तान +0.932 के नेट रन रेट के साथ दूसरे पायदान पर है। पाकिस्तान को अगर आगामी मुकाबले में भारत हरा देता है तो उसका सुपर-8 में पहुंचना मुश्किल हो जाएगा। दरअसल, पाकिस्तान ने अपने दोनों मुकाबलों में जीत दर्ज की है, लेकिन उसकी तैयारियों की पोल खुल चुकी है। वहीं, तीसरे स्थान पर काबिज नीदरलैंड का अगला मैच अमेरिका से है, अगर टीम यह मैच जीतती है तो चार अंक और बेहतर नेट रन रेट के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच जाएगी। अमेरिका और नामीबिया क्रमशः चौथे और पांचवें पायदान पर हैं।

एक हफ्ते में 6.7 अरब डॉलर की गिरावट, सोने की कीमतों में नरमी वजह

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए 'सुरक्षा कवच' माने जाने वाले विदेशी मुद्रा भंडार में पिछले हफ्ते की ऐतिहासिक तेजी के बाद अब गिरावट दर्ज की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुक्रवार को जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 6 फरवरी को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6.711 बिलियन डॉलर घटकर 717.064 बिलियन डॉलर रह गया है। यह गिरावट इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके ठीक पिछले सप्ताह में विदेशी

मुद्रा भंडार ने 14.361 बिलियन डॉलर की भारी छलांग लगाई थी और यह 723.774 बिलियन डॉलर के अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। ताजा आंकड़ों में आई यह गिरावट मुख्य रूप से सोने के भंडार (गोल्ड रिजर्व) के मूल्य में आई भारी कमी के कारण है, जबकि विदेशी मुद्रा संपत्तियों में बढ़ोतरी देखी गई है।

'मैं अब 24 घंटे मजाक नहीं करता, मैं बदल चुका हूं' नामीबिया से मैच के बाद क्यों भड़के ईशान किशन?

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने नामीबिया को हराकर टी20 विश्वकप 2026 में अपना लगातार दूसरा मैच जीता और ग्रुप-ए में शीर्ष पर जगह बना ली। भारत की जीत में ईशान किशन, हार्दिक पांड्या और वरुण चक्रवर्ती ने अहम भूमिका निभाई। ईशान ने 61 रन और हार्दिक ने 52 रन बनाए, जबकि वरुण ने तीन विकेट झटके। हालांकि, मैच के इतर ईशान किशन ने कुछ ऐसा कहा है, जिसने सभी को चौंका दिया है। आइए पूरा मामला जानते हैं...

दरअसल, टीम इंडिया के विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन इन दिनों सिर्फ अपने शॉट्स से नहीं, बल्कि अपनी सोच से भी चर्चा में हैं। नामीबिया के खिलाफ तूफानी अर्धशतक जड़ने के बाद उन्होंने माना कि करियर के उतार-चढ़ाव ने उन्हें पहले से ज्यादा परिपक्व बना दिया है। अब उनका फोकस मस्ती से ज्यादा जिम्मेदारी पर है।

वापसी के बाद बदली तस्वीर

पिछले महीने टीम में वापसी के बाद ईशान ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन ने उन्हें प्लेइंग इलेवन में पहली पसंद का विकेटकीपर बल्लेबाज बना दिया है। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी, तेज शुरुआत और आत्मविश्वास टीम को नई ऊर्जा दे रहे हैं।

नामीबिया के खिलाफ तूफान

गुरुवार रात खेले गए मुकाबले में बाएं हाथ के बल्लेबाज ने सिर्फ 24 गेंदों में छह चौके और पांच छक्के की मदद से 61 रन ठोक दिए। उनकी पारी की बदौलत भारत ने पावरप्ले में 86 रन बना डाले, जो टी20 विश्वकप इतिहास में टीम का सर्वश्रेष्ठ पावरप्ले स्कोर रहा। अभिषेक शर्मा की गैरमौजूदगी में ईशान ने जिम्मेदारी उठाई और गेंदबाजों पर टूट पड़े।

'मैं अब बदल चुका हूं'

मैच के बाद जब उनसे पूछा गया कि क्या वह फिर उसी पुराने बेफिक्र अंदाज में लौट आए हैं, ईशान ने साफ जवाब दिया, 'नहीं, सच कहूं तो मैं अब बदल चुका हूं। मजाक मुझे अभी भी पसंद है, मैं करता भी हूं, लेकिन पहले 24 घंटे करता था, अब सिर्फ दो-तीन घंटे ही करता हूं।' उनके इस बयान से साफ है कि वह अब अपने करियर को अलग नजरिए से देख रहे हैं।

टीम के लिए क्या जरूरी है

ईशान ने यह भी बताया कि अब उनकी प्राथमिकता साफ है। उन्होंने कहा, 'मैं बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग पर ज्यादा ध्यान दे रहा हूं, जो टीम की मदद करेगा और मेरी भी। बाकी सब चीजें सेकेंडरी हैं, इसलिए मैं हर समय मजाक में नहीं रहता, खासकर गौति भाई के रहते।' यह टिप्पणी उन्होंने हल्के अंदाज में की, लेकिन संदेश गंभीर था, अनुशासन और फोकस।

बड़े शॉट, लेकिन सादगी भरा प्लान

नामीबिया के खिलाफ उन्होंने जे जे स्मिट के एक ओवर में चार छक्के जड़ दिए। हालांकि, ईशान का कहना है कि उनकी बल्लेबाजी में कोई जादुई बदलाव नहीं आया है। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'मैं सिंगल भी लेता हूं और अच्छी गेंदों को डिफेंड भी करता हूं।' उन्होंने आगे समझाया, 'मैं बस क्रीज पर शांत रहने की कोशिश कर रहा हूं, गेंद को देखना और वही शॉट खेलना जिनमें मैं अच्छा हूं। कई बार इंटरनेशनल क्रिकेट में उत्साह में गलत शॉट खेल देते हैं। मैं उन पलों को अपनी जिंदगी से हटाने की कोशिश कर रहा हूं।'

डॉट बॉल से घबराना क्यों?

ईशान का मानना है कि वह अतिरिक्त मेहनत या नई ट्रेनिंग से ज्यादा मानसिक संतुलन पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं बल्लेबाजी को लेकर बहुत ज्यादा सोच नहीं रहा। बस गेंद देखो और शांत रहो, यही कोशिश है।' आधुनिक टी20 में हर गेंद पर रन बनाने का दबाव रहता है, लेकिन ईशान इससे सहमत नहीं। उन्होंने कहा, 'दो-तीन डॉट बॉल से फर्क नहीं पड़ना चाहिए। हमारी टीम के बल्लेबाजों में कभी भी छक्का मारने की ताकत है। दो गेंद में दो छक्के लगते ही सब कवर हो जाता है। इसलिए सही समय का इंतजार करना जरूरी है, बेवजह विकेट फेंकने से बेहतर है।'

परिपक्वता की नई पहचान

ईशान किशन के शब्दों में आत्मविश्वास भी था और अनुभव की झलक भी। जो खिलाड़ी कभी अपनी मस्ती के लिए जाना जाता था, वही अब संयम, धैर्य और मैच सिचुएशन की बात कर रहा है।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत के निर्यात में मजबूती, जुलाई-सितंबर तिमाही में 8.5% की वृद्धि

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत के निर्यात में वृद्धि दर्ज की गई। सरकारी आंकड़ों के

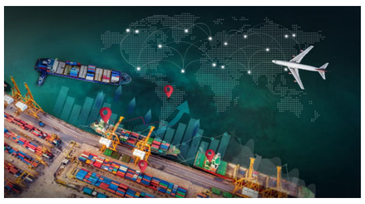

अनुसार वित्त वर्ष 2026 की जुलाई-सितंबर तिमाही में देश के निर्यात में 8.5% की बढ़ोतरी हुई। नीति आयोग के सीनियर लीड प्रवाकर साहू ने बताया कि इस तिमाही का सबसे बड़ा संकेतक यही है कि भारत का निर्यात प्रदर्शन मजबूत रहा है, जबकि आयात वृद्धि अपेक्षाकृत सीमित रही।

उन्होंने बताया कि इस अवधि में आयात की वृद्धि करीब 4.5 प्रतिशत दर्ज की गई, जो व्यापार संतुलन के दृष्टिकोण से सकारात्मक संकेत है। यह टिप्पणी 'ट्रेड वॉच क्वार्टरली' के छठे संस्करण के जारी होने के मौके पर की गई, जिसमें भारत के व्यापार रुझानों और अवसरों का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस तिमाही में वस्तुओं और सेवाओं दोनों के निर्यात में लगभग 8.5 प्रतिशत की समान वृद्धि रही।

भारत के शीर्ष निर्यात क्षेत्रों ने कुल शिपमेंट का करीब 89 प्रतिशत हिस्सा लिया। इनमें सालाना आधार पर 7.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसमें उत्तर अमेरिका और यूरोपीय संघ प्रमुख रहे। वहीं आयात वृद्धि मुख्य रूप से पूर्वी एशिया और लैटिन अमेरिका से बढ़ती मांग के कारण रही।

इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार पर विशेष फोकस

साहू ने कहा कि वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार का आकार करीब 4.6 ट्रिलियन डॉलर है, जिसमें भारत की हिस्सेदारी फिलहाल लगभग 1 प्रतिशत है, जिसे बढ़ाने की बड़ी संभावना मौजूद है। उन्होंने केंद्रीय बजट में इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग के लिए 40,000 करोड़ रुपये के प्रावधान का उल्लेख करते हुए कहा कि अब असेंबली के साथ-साथ कंपोनेंट निर्माण पर जोर दिया जा रहा है।

क्या नई सीपीआई सीरीज में 4% के नीचे बनी रहेगी महंगाई, बीओबी ने कहा- सब्जियों और सोने ने बदला गणित

एजेंसी

नई दिल्ली। महंगाई के मोर्चे पर भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए राहत भरी खबर है। बैंक ऑफ बड़ौदा की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) की नई सीरीज के तहत खुदरा महंगाई दर के रिजर्व बैंक की ओर से तय किए गए 4% के लक्ष्य से नीचे बने रहने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि महंगाई की गणना के लिए इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं की बास्केट में 'वेटेज' का जो नया संतुलन बनाया गया है, वह आंकड़ों को बेवजह की अस्थिरता से बचाएगा। बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट बताती है कि नई सीरीज का असर दिखना शुरू हो गया है। जनवरी 2026 में हेडलाइन सीपीआई 2.8% दर्ज की गई, जो बैंक के 2.9% के अनुमान के बेहद करीब है। यह आंकड़ा स्पष्ट करता है कि महंगाई के अधिकांश उप-घटकों में कोई बड़ा तनाव नहीं है। यह स्थिरता मौद्रिक नीति के फैसलों के लिए महत्वपूर्ण है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नई सीरीज समकालीन और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है, जो भारत के बदलते उपभोग को बेहतर ढंग से कैप्चर करती है।

टीओपी और गोल्ड का घटता दबदबा

पुरानी सीरीज में सब्जियों और सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव अक्सर हेडलाइन महंगाई को बिगाड़ देता था।

टी20 विश्वकप 2026 का पहला बड़ा उलटफेर: जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हराया, 170 चेज नहीं कर सके कंगारू

एजेंसी

नई दिल्ली। टी20 विश्वकप 2026 का पहला बड़ा उलटफेर हो चुका है। जिम्बाब्वे ने इस संस्करण के 19वें मुकाबले में 2021 की टी20 विश्वकप चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हरा दिया है। यह मुकाबला कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम में खेला गया। जिम्बाब्वे ने 20 ओवर में दो विकेट गंवाकर 169 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पूरी पारी 19.3 ओवर में 146 रन पर सिमट गई। यह जिम्बाब्वे टीम की ऑस्ट्रेलिया पर टी20 में दूसरी जीत है। इससे पहले जिम्बाब्वे ने 2007 टी20 विश्वकप में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराया था। दोनों के बीच अब तक चार बार आमना-सामना हुआ है। इसमें से दो बार ऑस्ट्रेलियाई टीम और दो बार जिम्बाब्वे की टीम जीती है। सिकंदर रजा की टीम का टी20 विश्वकप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 100 प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड है। यानी अब तक कंगारू जिम्बाब्वे की टीम को इस टूर्नामेंट में हरा नहीं पाए हैं।

टी20 विश्वकप में ऑस्ट्रेलिया का बुरा सपना है जिम्बाब्वे

दो बार खेले और दोनों बार जिम्बाब्वे ने कंगारुओं को हराया।

2007 के बाद 2026 में भी ऑस्ट्रेलिया को हार का स्वाद चखना पड़ा।

ग्रुप-बी में दिलचस्प हुई जंग

साथ ही ग्रुप-बी में भी सुपर-8 में पहुंचने की जंग दिलचस्प हो चली है। इस हार के साथ ऑस्ट्रेलिया पर सुपर-8 की दौड़ से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। उसे अब अपने सभी मैच जीतने होंगे। एक हार उनकी उम्मीदों पर पानी फेर सकता है। फिलहाल ग्रुप-बी में श्रीलंका दो मैचों में दो जीत और चार अंक लेकर शीर्ष पर है। वहीं, जिम्बाब्वे के भी दो मैचों के बाद चार अंक हैं। ऑस्ट्रेलिया के दो मैचों के बाद दो अंक हैं। टीम तीसरे स्थान पर है। आयरलैंड और ओमान का खाता नहीं खुला है और टीम क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर है। अब ऑस्ट्रेलिया को अगला मैच श्रीलंका से खेलना है और अगर हारे तो बाहर हो जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया को अब मनाना है कि जिम्बाब्वे या श्रीलंका एक-एक मैच हारे और कंगारू अपने बाकी सभी मैच बड़े अंतर से जीतें।

संक्षिप्त समाचार

आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को नियमित नही कर सकते-अनिल राजभर

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के सदस्य संग्राम सिंह यादव ने श्रम एवं सेवायोजन मंत्री से जानना चाहा कि प्रदेश में संविदा प्रणाली, आउटसोर्सिंग के रूप में कार्यरत कर्मचारियों को स्थाई करने खातिर सरकार की कोई नीति है या नही।क्या सरकार उन्हें स्थाई करने पर विचार करेगी। सपा विधायक संग्राम सिंह यादव ने कहा कि आजमगढ़ के राजकीय मेडिकल कॉलेज में 100 से ज्यादा कर्मचारियों को बाहर कर दिया गया है।7-8 महीने से वे आंदोलन कर रहे हैं। आप संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों को नियमित क्यों नहीं करते जवाब में श्रम मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि आउटसोर्स कर्मचारियों को नियमित नहीं किया जा सकता है। हमने आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए निगम बनाया है।

प्रधानमंत्री ने घर घर बिजली पहुंचाई-खन्ना

लखनऊ (संवाददाता)। सपा के सदस्य डॉ. राकेश कुमार वर्मा ने श्रम विभाग से जुड़ा एक सवाल करते हुए एक शायरी पढ़कर कहा कि महलों में रोशनी और झोपड़ियों में अंधेरा है। उन्होंने सरकार से पूछा कि श्रमिकों के उत्थान के लिए कोई कार्ययोजना बनाई गई है या नही। इस पर संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि अब ऐसा नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घर घर बिजली पहुंचाई। केवल खम्भा नहीं लगाया गया है। खम्भा लगाया, तार लगाया और बल्ब भी लगाए। आज झोपड़ियों में भी रोशन है। उत्तर प्रदेश में एक करोड़ 18 लाख घरों में बिजली का कनेक्शन दिया।

संविदा कर्मियों को नियमित करने की कोई योजना नहीं-श्रममंत्री

किसी कर्मचारी को नही किया जा रहा बाहर

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के सदस्य संग्राम सिंह के संविदा कर्मियों को नियमित करने की किसी नीति के बारे में किये गए एक सवाल पर श्रम मंत्री अनिल राजभर ने सरकार का पक्ष रखा। राजभर ने सदन को अवगत कराया कि किसी कर्मचारी को सेवा से बाहर नहीं किया जा रहा है। उनका पूरा ख्याल रखा जा रहा है। रही बात नियमित करने की तो संविदा कर्मियों को नियमित करने की कोई व्यवस्था नहीं है। 19 सितंबर 2025 को आउटसोर्स सेवा निगम कारपोरेशन का गठन करने का शासनादेश जारी किया गया। प्रदेश में कारपोरेशन का गठन किया जा चुका है इससे पहले इस बीच नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने अनुपूरक किया कि संविदा कर्मियों के लिए सरकार एजेंसी को 14 हजार रुपये प्रति माह भुगतान करती है लेकिन एजेंसी से कर्मचारियों को 10 हजार रुपये ही मिलते हैं। क्या सरकार कर्मियों को 14 हजार रुपये दिलाएगी इंजीनियर बृजेश कठेरिया ने सवाल किया कि 2022 से सेवा योजना कार्यालय में पंजीकृत कितने युवाओं को रोजगार मिला है। इस पर श्रम मंत्री अनिल राजभर ने बताया कि उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम कारपोरेशन आउटसोर्सिंग में आरक्षण का प्रावधान करेगा। पिछड़ों दलितों को इसका लाभ मिलेगा। निजी क्षेत्र में कौशल के आधार पर नौकरी मिलती है। निजी क्षेत्र में आरक्षण का प्रावधान नहीं है।

होमगार्ड जवान स्वयंसेवी और अवैतनिक, हमने बढ़ाया मानदेय- प्रजापति

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के सदस्य शारदानंद अंचल ने पुलिस की भांति होमगार्ड जवानों को सुविधाएं दिए जाने का मुद्दा उठाया। होमगार्ड मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने बताया कि 2017 से पहले और आज में जमीन आसमान का अंतर आया है। पहले 375 रुपये मिलते थे। आज मानदेय और दैनिक भत्ता मिलाकर 948 रुपये प्रतिदिन मिलते हैं। होमगार्ड स्वयंसेवी हैं। अवैतनिक हैं।उन्हें स्थाई नही किया जा सकता है।

अभ्युदय योजना भर्ती में बड़ा फजीवाड़ा, गड़बड़ी मिलने पर संयुक्त निदेशक निलंबित

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत कोर्स कोऑर्डिनेटर पदों की चयन प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर समाज कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक सुनील कुमार बिसेन को निलंबित कर दिया गया है। प्रथम दृष्टया लापरवाही प्रमाणित होने पर उनके विरुद्ध विभागीय जांच के आदेश भी जारी कर दिए गए हैं। निलंबन अवधि में वे निदेशालय से संबद्ध रहेंगे तथा नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त करेंगे। चयन प्रक्रिया में गड़बड़ी की एक गोपनीय शिकायत विभागीय मंत्री असीम अरुण को प्राप्त हुई थी, जिसके आधार पर जांच कराई गई। जांच के दौरान संयुक्त निदेशक की भूमिका संदिग्ध पाई गई। इतना ही नही जांच में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। अभ्यर्थियों के प्रमाण-पत्रों का मूल अभिलेखों से समुचित सत्यापन नहीं किया गया। साक्षात्कार और चयन से संबंधित आवश्यक दस्तावेज विभागीय पत्रावली में उपलब्ध नहीं पाए गए। इतना ही नही चयन प्रक्रिया की निगरानी हेतु गठित समितियों द्वारा साक्षात्कार एवं सत्यापन कराए जाने का कोई प्रमाणिक रिकॉर्ड भी प्रस्तुत नहीं किया गया।

कार से 6 लोगों को कुचलने वाले आरोपी छात्र को पुलिस ने किया गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के बंथरा इलाके में हनुमान मंदिर के पास एक अज्ञात कार ने ऑटोरिक्शा और पैदल यात्रियों को टक्कर मार दी। इस घटना में छह साल के बच्चे की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, बंथरा थाने को बृहस्पतिवार शाम करीब छह बजे हादसे की जानकारी मिली, जिसके बाद स्थानीय पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। शुरूआती जांच में पता चला है कि एक अज्ञात कार ने एक ऑटो रिक्शा और सड़क पर चल रहे लोगों को टक्कर मारी। पुलिस ने बृहस्पतिवार रात बताया कि घायलों की पहचान अरमान (12), अवध बिहारी (42), साधना वर्मा (35), मीना देवी (60) और दीक्षांत पटेल (छह) के रूप में हुई। पुलिस ने बताया कि सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। दीक्षांत की हालत गंभीर थी।

जगमग हुए गांव, उद्यमों ने पकड़ी रफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। वर्ष 2017 से पहले बिजली की किल्लत से जूझ रहे उत्तर प्रदेश के गांव अब जगमगा रहे हैं। योगी सरकार ने ग्रामीण विद्युतीकरण को विकास की बुनियाद बनाया और योजनाबद्ध तरीके से हर घर तक बिजली पहुंचाने का लक्ष्य पूरा किया है। घर-घर बिजली कनेक्शन सुनिश्चित किया जा चुका है। प्रदेश सरकार के बजट 2026-27 में बिजली क्षेत्र को 65,926 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित की गई है। दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में पारेषण और वितरण नेटवर्क को मजबूत किया गया है। जर्जर लाइनों को बदला गया और नए उपकेंद्र स्थापित किए गए हैं। प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना के जरिए लाखों परिवारों को मुफ्त बिजली कनेक्शन दिए गए। इससे ग्रामीण जीवन की तस्वीर बदलती दिख रही है।

अब गांवों में न केवल घरेलू रोशनी बल्कि कृषि और लघु उद्योगों को भी निर्बाध बिजली मिल रही है। गांवों में वितरण तंत्र को और सुदृढ़ किया जा रहा है। पुराने कंडक्टर बदले जा रहे हैं, लो टेंशन एबी केबल बिछाई जा रही हैं और ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाई जा रही है। स्मार्ट मीटरिंग को भी तेजी से लागू किया जा रहा है जिससे कि बिजली चोरी पर अंकुश लगे और आपूर्ति की गुणवत्ता बेहतर हो। इन कदमों से ग्रामीण

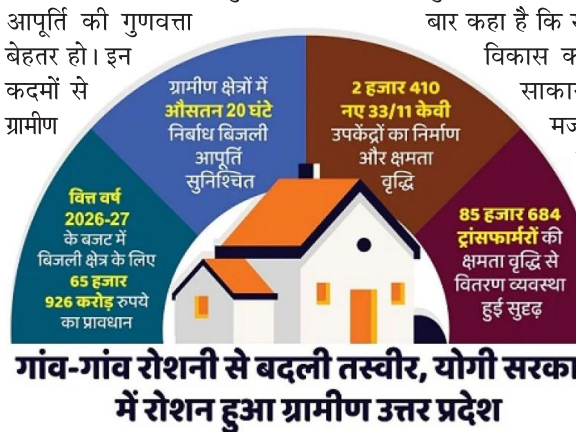

क्षेत्रों में लो वोल्टेज की समस्या में कमी आई है और उपभोक्ताओं को पर्याप्त बिजली मिल रही है।ग्रामीण विद्युतीकरण का सीधा लाभ खेती और स्वरोजगार के क्षेत्र में मिल रहा है। सिंचाई के लिए विद्युत आपूर्ति बेहतर होने से फसल उत्पादन में वृद्धि हुई है।

डेयरी, कोल्ड स्टोरेज, आटा चक्की, वेल्डिंग और अन्य छोटे व्यवसायों को निरंतर बिजली मिलने से गांवों में रोजगार के अवसर बढ़े हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में भी सुधार देखा जा रहा है, क्योंकि विद्यालय और स्वास्थ्य केंद्रों को अब बिजली की कमी से जूझना नहीं पड़ रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई बार कहा है कि सबका साथ सबका विकास की अवधारणा तभी साकार होगी जब गांव मजबूत होंगे। ग्रामीण उत्तर प्रदेश को ऊर्जा संपन्न बनाकर सरकार ने विकास की नई आधारशिला रखी है। विशेषज्ञों का मानना है कि मजबूत बिजली ढांचा प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को दीर्घकाल में और अधिक सशक्त करेगा।वित्त वर्ष 2025-26 में दिसंबर 2025 तक प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र में औसतन 20 घंटे, तहसील मुख्यालयों पर औसतन 22 घंटे और जनपद मुख्यालयों पर 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। प्रदेश में एक अप्रैल, 2022 से वर्ष 2025-26 तक कुल 2,410 नए 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्रों का निर्माण एवं क्षमता वृद्धि की गई है। 20,924 नए वितरण ट्रांसफार्मर्स की स्थापना और 85,684 ट्रांसफार्मरों की क्षमतावृद्धि का कार्य किया गया है।

सड़क दुर्घटनाओ का प्रमुख कारण हाई स्पीड

- स्पीड कंट्रोल के लिए सरकार ने लगवाये जगह जगह कैमरे
- 18 वर्ष से कम आयु के लोगों को नही मिलता डीएल-दयाशंकर

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश विधान सभा की कार्यवाही पूर्वाह्न 11 बजे

सपा के सदस्य अनिल प्रधान के सवाल पर परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह के जवाब से शुरू हुई। परिवहन मंत्री ने ड्राइविंग लाइसेंस की पूरी प्रक्रिया और उसके लिए निर्धारित शुल्क के बारे में सदन में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लाइसेंस के लिए कम से 18 साल की आयु निर्धारित है। सपा विधायक अनिल प्रधान ने प्रश्नकाल में परिवहन मंत्री से लड़कियों को स्कूटी दिए जाने को लेकर सवाल पूछा। उन्होंने कहा,इंटर पास करने वाले बच्चों की उम्र 15-16 साल होती है, तो क्या ड्राइविंग लाइसेंस में छूट दी जाएगी क्या कोई ऐसा नियम बनाया जाएगा कि कोई गाड़ी खरीदने जाए, तो उससे पहले उसके पास डीएल होना जरूरी हो जिस पर स्पीकर सतीश महाना ने कहा- क्या आपके घर में कोई 15 साल में 12वीं पास कर लिया है क्या आपने पास किया है इस पर विधायक बोले कि हो जाता है सर। यह सुनकर स्पीकर हंसने लगे और कहा-अब तो 6 साल में ही एडमिशन होता है।परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि 18 वर्ष की आयु से कम उम्र के लोगों को हम ड्राइविंग लाइसेंस नही जारी करते हैं। उन्होंने एक अनुपूरक सवाल पर साफ किया कि रजिस्ट्रेशन से लेकर लाइसेंस तक अलग अलग फीस निर्धारित है, उसी के अनुसार पंजीकरण और लाइसेंस जारी होते हैं।

गुम नहीं गिरफ्तार हुए सपा प्रवक्ता, बाराबंकी पुलिस ने मनोज यादव को दबोचा

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज यादव को लेकर पिछले 48 घंटों से चल रहा सस्पेंस आखिरकार खत्म हो गया है। जिसे लखनऊ पुलिस और परिजन क्षापताश समझकर तलाश रहे थे, उन्हें बाराबंकी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मनोज यादव को उनके साथियों के साथ सफदरगंज इलाके से हिरासत में लिया गया। मनोज यादव मंगलवार को काकोरी में एक तिलक समारोह में शामिल होने गए थे। वहां से निकलने के बाद उनका मोबाइल बंद हो गया और वे घर नहीं पहुंचे। परेशान परिवार ने लखनऊ के गोमती नगर विस्तार थाने में उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस सीसीटीवी और लोकेशन खंगाल रही थी, तभी बाराबंकी पुलिस की इस कार्रवाई ने सबको चैंका दिया। बाराबंकी पुलिस के अनुसार, मनोज यादव उर्फ बबलू के खिलाफ सफदरगंज थाने में 11 फरवरी को एक मुकदमा (मु0अ0सं0 50/26) दर्ज हुआ था। उन पर आरोप है कि उन्होंने जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया (एससी-एसटी एक्ट)। जान से मारने की धमकी दी। पुलिस इसी मामले में उनकी तलाश कर रही थी और बुधवार को उन्हें सफदरगंज इलाके से दबोच लिया गया।

विपक्षी सदस्यों ने किया स्पीकर का मूड सामान्य

लखनऊ (संवाददाता)। आज विधानसभा सत्र के पांचवें दिन11.45 बजे सदन की कार्यवाही पुनः शुरू हुई तो विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि पिछले चार सालों में यूपी विधानसभा का परसेप्शन पूरे देश में बहुत अच्छा गया है। इसमें केवल मेरा योगदान नहीं है। यह सभी 403 सदस्यों के प्रयासों से हुआ है। अध्यक्ष ने कहा कि दो सदस्यों ने इसी हाउस में शर्ट उतारी थी। मेरा मानना है कि वह केवल दो सदस्यों ने शर्ट नहीं उतारी थी। वह 403 सदस्यों की शर्ट उतरी थी। मैं ऐसा नहीं होने दूंगा। कोई भी सदन चलाएगा। यह नहीं होगा। इसके बाद विपक्ष के सदस्यों कमाल अख्तर, महबूब अली, संग्राम सिंह यादव, आराधना मिश्रा मोना और सत्ता पक्ष से संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने शायरी की कुछ पंक्तियां पढ़कर सदन के माहौल को हल्का किया। इसके बाद प्रश्नकाल की कार्यवाही आगे बढ़ी।

सपा की रागिनी सोनकर ने उठाया लोकसेवा आयोग की नियुक्तियों का मामला

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी की सदस्य रागिनी सोनकर ने लोकसेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं के परिणामों और नियुक्तियों में विलंबता को रोकने के लिए सरकार से पूछा कोई योजना है या नही।सरकार लंबित परीक्षाओं के परिणामों में बिलम्ब के कारण कई बार अभ्यर्थी ओवरएज हो जाते हैं और दूसरी नौकरी के लिए आवेदन करने लायक ही नहीं रह जाते।सपा विधायक रागिनी सोनकर ने सवाल पूछा कि यह बताया जाए कि लोक सेवा आयोग में कितनी भर्तियां दी गईं। आरक्षण के मामले में इतनी अनियमितता क्यों हो रही हैसंसदीय कार्य एवं वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने रागिनी के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि वर्ष 2026 के लिए 30 जनवरी को कलेंडर जारी हो गया है। अभी तक आयोग के द्वारा अप्रैल 2017 से अब तक 47407 पदों पर भर्ती की गई। इसमें सामान्य वर्ग के 18004 अभ्यर्थी आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 2082 अनुसूचित जाति के 9580 और अनुसूचित जनजाति के 447 और ओबीसी 17295 पदों पर भर्ती की गई है।

हिंदुस्तान ओलंपियाड में शिवांश चौरसिया ने बिखेरी प्रतिभा की चमक, विद्यालय का नाम किया रोशन

गोरखपुर। सरस्वती शिशु मंदिर (10+2) पक्कीबाग के कक्षा चतुर्थ के मेधावी छात्र शिवांश चौरसिया ने नई दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित ह्यहिंदुस्तान ओलंपियाडह्ण में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं जनपद का नाम रोशन किया है। शिवांश ने राष्ट्रीय मंच पर श्रीमद्भगवद्गीता की प्रभावशाली प्रस्तुति देकर अपनी अद्वितीय प्रतिभा का परिचय दिया।

विद्यालय में हुआ सम्मान समारोह

शिवांश की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में हर्ष का वातावरण है। वह एक प्रतिभाशाली छात्र होने के साथ-साथ गोरखपुर के उभरते हुए शतरंज खिलाड़ी भी हैं। उनकी सफलता पर विद्यालय में आयोजित विशेष कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्य डॉ. राजेश सिंह ने शिवांश और उनके अभिभावकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर छात्र को स्मृति चिह्न प्रदान कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानाचार्य डॉ. राजेश सिंह ने कहा कि शिवांश जैसे छात्र भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और आधुनिक शिक्षा के सुंदर समन्वय का उदाहरण हैं। कम आयु में भगवद्गीता के संदेशों को आत्मसात कर राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करना अत्यंत सराहनीय है। विद्यालय का उद्देश्य छात्रों के सर्वांगीण विकास के साथ उन्हें अपनी जड़ों से जोड़े रखना है।

अभिभावकों ने जताया आभार

इस अवसर पर शिवांश के माता-पिता ने विद्यालय प्रशासन और शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय के संस्कारपूर्ण वातावरण और सतत मार्गदर्शन के कारण ही शिवांश यह उपलब्धि हासिल कर सका। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रथम सहायक रुक्मिणी उपाध्याय, आचार्यगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। सभी ने शिवांश को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

कैंब्रिज हाईस्कूल एंड कॉलेज में विदाई समारोह, छात्र-छात्राओं को दी गई भावभीनी विदाई

प्रयागराज। पंखा टोला स्थित कैंब्रिज हाईस्कूल एंड कॉलेज, शंकरगढ़ में कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन भावपूर्ण वातावरण में किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को नम आंखों से विदाई दी गई। पूरा माहौल भावुकता और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं से सराबोर रहा। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुई। विद्यालय के प्रबंधक संतोष त्रिपाठी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में संतोष त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को अनुशासन और परिश्रम का महत्व समझाते हुए जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने की सलाह दी। वरिष्ठ शिक्षक मनी शंकर दुबे ने छात्रों को ईमानदारी, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। अन्य शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को जीवन के संघर्षों से न घबराने और निरंतर प्रयास

करते रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर सामान्य ज्ञान (जीके) प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विभिन्न विषयों से जुड़े प्रश्नों के माध्यम से कार्यक्रम में उत्साह और प्रतिस्पर्धा का माहौल बना रहा। अंत में विद्यार्थियों ने अपने विद्यालय जीवन के अनुभव साझा किए और शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह का समापन जलपान एवं शुभकामनाओं के साथ हुआ। सभी ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी बालेंद्र पांडे सहित शिक्षकगण—मनी शंकर दुबे, सौरभ प्रकाश, इमरान अहमद, पंकज मिश्रा, पंकज श्रीवास्तव, मनोज तिवारी, दीपक केसरवानी, नरेश श्रीवास्तव, अखिलेश पांडेय, राजेश गोस्वामी, धर्मराज कुशवाहा, आभा मिश्रा, प्रीति सेन, रीतू सुसारी, सिम्मी गुप्ता, रीना गोस्वामी, रेखा सिंह, मधु केसरवानी, ऊषा सिंह, सीमा सिंह, रूचि शुक्ला, निहारिका सेन, अंजू गुप्ता एवं पूनम द्विवेदी आदि उपस्थित रहे।

रोमांचक फाइनल में टाइम वॉच बनी चैंपियन, नीना थापा क्रिकेट एकेडमी को एक विकेट से हराया

गोरखपुर। हॉक स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित राजेश कुमार श्रीवास्तव मेमोरियल अंडर-16 क्रिकेट टूर्नामेंट (तृतीय वर्ष) का फाइनल मुकाबला एन.ई. रेलवे क्रिकेट ग्राउंड पर नीना थापा क्रिकेट एकेडमी और टाइम वॉच के बीच खेला गया। बेहद रोमांचक मैच में टाइम वॉच ने एक विकेट से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नीना थापा क्रिकेट एकेडमी ने 35 ओवर में 9 विकेट पर 189 रन बनाए। कप्तान आर्यन निषाद ने 56 रन की शानदार पारी खेली। गोलू गुप्ता (33), अमन यादव (29), अंश सिंह (23) और पीयूष यादव (16) ने भी योगदान दिया। टाइम वॉच की ओर से गौतम यादव और अलंकृत ने तीन-तीन विकेट लिए। 190 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए टाइम वॉच ने आखिरी ओवर में तीन गेंद शेष रहते एक विकेट से जीत हासिल कर ली। गौतम यादव ने 79 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। अंशुमन सिंह (33), रुद्र ओझा (24) और श्लोक शुक्ला (21) ने भी अहम योगदान दिया। नीना थापा की ओर से अमन यादव ने तीन विकेट तथा अंश सिंह ने दो विकेट लिए। गौतम यादव को प्लेयर ऑफ द मैच, बेस्ट बॉलर और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार दिया गया, जबकि बेस्ट बैट्समैन का पुरस्कार आर्यन निषाद को मिला। विजेता ट्रॉफी टाइम वॉच और उपविजेता ट्रॉफी नीना थापा क्रिकेट एकेडमी को प्रदान की गई। मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा श्रीवास्तव एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती शिवांगी कौशल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। टूर्नामेंट आयोजक सचिव प्रभात गौंड ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न, ओंकार धर द्विवेदी बने अध्यक्ष

गोरखपुर। गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब के वार्षिक चुनाव (2026-27) शनिवार को मुख्य चुनाव अधिकारी वागीश चंद्र श्रीवास्तव की देखरेख में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए। कुल 683 मतदाताओं में से 595 पत्रकारों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान प्रातः 9 बजे शुरू होकर अपराह्न 3 बजे तक चला, जबकि मतगणना शाम 4 बजे से आरंभ हुई।

अध्यक्ष पद पर ओंकार धर द्विवेदी विजयी

अध्यक्ष पद के लिए हुए मुकाबले में ओंकार धर द्विवेदी ने 199 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी कुंदन उपाध्याय को 183 मत मिले, जबकि मनोज यादव को 133 और विजय जायसवाल को 71 मत प्राप्त हुए।

उपाध्यक्ष व मंत्री पद के परिणाम

उपाध्यक्ष पद पर धनेश कुमार निषाद 303 मत पाकर विजयी घोषित किए गए। वेद प्रकाश पाठक को 204 तथा प्रिंस कुमार पांडेय को 85 मत मिले। मंत्री पद पर पंकज श्रीवास्तव ने 259 मतों के साथ जीत हासिल की। विनय कुमार सिंह को 116, ब्रजेंद्र कुमार सिंह को 95, आशीष भट्ट को 90 और हेमंत कुमार तिवारी को 32 मत प्राप्त हुए।

संयुक्त मंत्री, कोषाध्यक्ष व पुस्तकालय मंत्री

संयुक्त मंत्री पद पर महेंद्र कुमार गौड़ ने 314 मत पाकर विजय हासिल की, जबकि हरेंद्र दुबे को 278 मत मिले। कोषाध्यक्ष पद पर दुर्गेश यादव 246 मतों के साथ निर्वाचित हुए। संजय त्रिपाठी को 174 और सुशील कुमार को 173 मत प्राप्त हुए। पुस्तकालय मंत्री पद पर संजय कुमार ने 389 मतों के साथ जीत दर्ज की, जबकि अरविंद कुमार वर्मा को 200 मत मिले।

कार्यकारिणी सदस्य चुने गए

कार्यकारिणी सदस्य पद पर अजीत सिंह, डॉ. मनोज कुमार मिश्र और रजनीश कुमार त्रिपाठी निर्वाचित हुए। सकुशल चुनाव संपन्न होने पर मुख्य चुनाव अधिकारी वागीश चंद्र श्रीवास्तव ने सभी मतदाताओं एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

वित्तीय साक्षरता सप्ताह में डिजिटल सखियों का सशक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

पिपराइच (गोरखपुर)। वित्तीय साक्षरता सप्ताह के अंतर्गत पिपराइच ब्लॉक स्थित एल एंड टी फाइनेंस कार्यालय परिसर में डिजिटल सखियों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य डिजिटल सखियों को केवाईसी, सुरक्षित बैंकिंग और वित्तीय साक्षरता संबंधी जानकारी से सशक्त बनाना था, ताकि वे इस ज्ञान को अपने कार्यक्षेत्र की उद्यमी महिलाओं तक प्रभावी रूप से पहुंचा सकें। कार्यक्रम में एल एंड टी फाइनेंस के टीम मैनेजर श्री सत्यानंद पाण्डेय एवं ब्रांच मैनेजर अमजद खान ने सहभागिता करते हुए डिजिटल सखियों को संस्था के कार्यकलापों तथा केवाईसी अपडेट के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का शुभारंभ ज्वाइंट प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर गीता कौर द्वारा बॉयफ संस्था के संस्थापक मनी भाई देसाई के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। उन्होंने केवाईसी के महत्व, 2002 में लागू मनी लॉन्ड्रिंग निरोधक कानून तथा सुरक्षित बैंकिंग के ह्यपांच सुनहरे नियमोंह्ण पर विस्तार से चर्चा की। प्रतिभागियों से चार्ट पेपर पर इन नियमों का व्यावहारिक अभ्यास भी कराया गया। बॉयफ लाईवलीहुड्स, जो वर्तमान में देश के 18 राज्यों में अपने कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित कर रही एक अग्रणी संस्था है, के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में डिजिटल सखियों को हैंडबिल, वर्कबुक और बैनर उपलब्ध कराए गए। प्रशिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए प्रतिभागियों को चार टीमों में विभाजित कर प्रशिक्षण सामग्री दी गई, ताकि वे अपने क्षेत्र में उद्यमी महिलाओं तक जागरूकता संदेश पहुंचा सकें। कार्यक्रम के समापन पर एल एंड टी फाइनेंस की ओर से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली डिजिटल सखियों को पुरस्कृत किया गया। यह कार्यक्रम डिजिटल सखियों को वित्तीय साक्षरता, केवाईसी और बैंकिंग नियमों की गहन समझ प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

Time Watch Crowned Champions After Thrilling One-Wicket Win Over Neena Thapa Cricket Academy

Gorakhpur: The final match of the third edition of the Rajesh Kumar Srivastava Memorial Under-16 Cricket Tournament, organized by Hawk Sports, was played between Neena Thapa Cricket Academy and Time Watch at the N.E. Railway Cricket Ground. In a nail-biting finish, Time Watch clinched the title with a dramatic one-wicket victory.

After winning the toss, Neena Thapa Cricket Academy opted to bat first and posted 189 runs for the loss of 9 wickets in 35 overs. Captain Aryan Nishad led from the front with a fine knock of 56 runs. Golu Gupta scored 33, Aman Yadav added 29, Ansh Singh contributed 23, and Piyush Yadav chipped in with 16 runs. For Time Watch, Gautam Yadav and Alankrit claimed three wickets each, while Ramanand Singh took one wicket.“Chasing a target of 190, Time Watch achieved victory with three balls to spare, scoring 190 runs for the loss of nine wickets. Gautam Yadav played a match-winning innings of 79 runs. Anshuman Singh (33), Rudra Ojha (24), and Shlok Shukla (21) also made valuable contributions. For Neena Thapa Cricket Academy, Aman Yadav took three wickets, while Ansh Singh picked up two.

Gautam Yadav was awarded Player of the Match, Best Bowler, and Player of the Tournament, while Aryan Nishad received the Best Batsman award. The winner’s trophy was presented to Time Watch, and the runner-up trophy to Neena Thapa Cricket Academy.

The award ceremony was graced by Chief Guest Mrs. Seema Srivastava and Special Guest Mrs. Shivangi Kaushal, along with other distinguished dignitaries. Tournament Organizing Secretary Prabhat Gond extended congratulations to both teams and expressed gratitude to all guests.

Gorakhpur Journalists Press Club Elections Held Peacefully, Omkar Ghar Dwivedi Elected President

Gorakhpur: The annual elections (2026–27) of the

Gorakhpur Journalists Press Club were conducted peacefully on Saturday under the supervision of Chief Election Officer Vagish Chandra Srivastava. Out of a total of 683 registered voters, 595 journalists exercised their franchise. Polling began at 9:00 AM and continued until 3:00 PM, followed by counting of votes starting at 4:00 PM.

Omkar Ghar Dwivedi Wins President Post

For the post of President, Omkar Ghar Dwivedi secured victory with 199 votes. His closest rival, Kundan Upadhyay, received 183 votes, while Manoj Yadav secured 133 votes and Vijay Jaiswal got 71 votes.

Vice President and Minister Results

Dhnesh Kumar Nishad was elected Vice President with 303 votes. Ved Prakash Pathak received 204 votes, and Prince Kumar Pandey secured 85 votes.“For the post of Minister, Pankaj Srivastava won with 259 votes. Vinay Kumar Singh received 116 votes, Brajendra Kumar Singh 95 votes, Ashish Bhatt 90 votes, and Hemant Kumar Tiwari 32 votes.

Other Key Positions

Mahendra Kumar Gaur won the post of Joint Minister with 314 votes, while Harendra Dubey received 278 votes.“For Treasurer, Durgesh Yadav was elected with 246 votes. Sanjay Tripathi secured 174 votes, and Sushil Kumar received 173 votes.“In the Librarian Minister post, Sanjay Kumar won decisively with 389 votes, while Arvind Kumar Verma secured 200 votes.

Executive Members Elected

Ajit Singh, Dr. Manoj Kumar Mishra, and Rajneesh Kumar Tripathi were elected as Executive Members. “Chief Election Officer Vagish Chandra Srivastava expressed gratitude to all voters and participants for the smooth and successful conduct of the election.

International player Chandra Prakash Mani's birthday was celebrated with great pomp and show, drawing a stream of well-wishers.

Gorakhpur. Chandra Prakash Mani, a resident of Belhi

Tiwari village in Baitalpur, Deoria district, and an international player, celebrated his birthday with great pomp and show by cutting a cake at the Print Media Camp office located at the Railway Bus Stand in Gorakhpur.

Even before this, supporters and well-wishers had been pouring in to offer their best wishes through various forms of social media, in person, and by phone.

Mr. Mani's well-wishers left no stone unturned to make the birthday memorable and grand.

Senior journalists Pawan Kumar Gupta and Anil Gupta celebrated Mr. Mani's birthday with Imran Ali, Rajesh Chauhan, and other supporters, journalist colleagues, and well-wishers at their Print Media Camp office by cutting a cake.

On this occasion, many people including Naseem Ansari, Saheb Ram Sahni, Zakir Ali, Shakir Ali, Vivek Rajput, Ajay Singh, specially met and sent greetings and best wishes through social media.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।